RNI NO. CHHHIN/2022/83778

न्यूज रूटीन

मासिक, बलौदाबाजार से प्रकाशित

जरूरी नहीं कि मिठाई खिलाकर ही दूसरों का मुंह मीठा करें, आप मीठा बोलकर भी लोगों को खुशियां दे सकते हैं!

वर्ष : 03 अंक : 01 मासिक, बलौदाबाजार, जनवरी 2024 E-mail: newsroutine6@gmail.com पृष्ठ : 16 मूल्य : 15 रू.

मीसा बंदियों को सम्मान राशि की बहाली के लिए छत्तीसगढ़ सरकार करेगी पहल- मुख्यमंत्री

मीसाबंदियों की आपबीती सुन भावुक हुए मुख्यमंत्री, कहा मेरे बड़े पिता जी भी 19 महीने मीसाबंदी रहे, मैं इस पीड़ा को जानता हूँ

रायपुर। मीसा बंदियों को सम्मान राशि की बहाली के लिए छत्तीसगढ़ सरकार करेगी पहलमीसा बंदियों को सम्मान राशि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय लोकतंत्र सेनानी संघ के प्रांतीय परिवार सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में हुए शामिल

मैंने मीसा बंदियों के तकलीफों को बहुत करीब से देखा है। उनके संघर्ष और पीड़ा को मैंने महसूस किया है। आपातकाल के दौरान मेरे बड़े पिताजी स्वर्गीय श्री नरहरि साय भी 19 महीने तक जेल में रहे। यह बात मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के वृंदावनहाल में लोकतंत्र सेनानी संघ द्वारा आयोजित प्रांतीय परिवार सम्मेलन और सम्मान समारोह में कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार मीसाबंदियों की सम्मान राशि की बहाली के लिए पहल करेगी। सम्मेलन में प्रदेश भर से आए मीसा बंदी और उनके परिजनों ने अपनी आपबीती भी साझा की। आपबीती सुन भावुक हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आपातकाल के समय का जिक्र करते हुए कहा कि लोकतंत्र सेनानी जब जेल जाते थे तो उस परिवार की स्थिति बड़ी पीड़ादायक हो जाती थी। इन परिवारों के सामने आजीविका का संकट हो जाता था। मीसा बंदियों के साथ हमारी सरकार न्याय करेगी। पूर्ववर्ती डॉ रमन सिंह की सरकार ने मीसाबंदियों के लिए सम्मान राशि देने की शुरुआत की थी। हम मीसाबंदियों के लिए बेहतर कार्य करेंगे।

राज्यसभा सांसद और लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कैलाश सोनी ने कहा कि लोकतंत्र के लिए संघर्ष की बात जब भी आएगी, तब इन लोकतंत्र के प्रहरी मीसा बंदियों के संघर्षों से प्रेरणा ली जाएगी। इन्होंने लोकशाही के लिए लड़ाई लड़ी। यह भारत के इतिहास में एक बड़ा उदाहरण है।

कार्यक्रम को विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सच्चिदानंद उपासने ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम में श्री रामप्रताप सिंह, लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री संतोष शर्मा, नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्री दिवाकर तिवारी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री द्वारिका जायसवाल सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

राजनांदगांव शहर में रायपुर की तर्ज पर नालंदा परिसर बनाए जाने के लिए प्रस्ताव तैयार करें

विधानसभा अध्यक्ष ने राजनांदगांव जिले के विकास कार्यों की समीक्षा की

विधानसभा अध्यक्ष ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट हेतु प्रस्तावित निर्माण कार्यों के संबंध में ली समीक्षा बैठक

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने राजनांदगांव के कलेक्टोरेट सभाकक्ष में वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट हेतु प्रस्तावित निर्माण कार्यों के संबंध में समीक्षा बैठक ली। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि शुरूआती दौर में सभी विभागों से राजनांदगांव जिला एवं शहर के विकास एवं जनहित कार्यों के लिए प्रस्ताव पर चर्चा की गई है। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करें, जिसका परिणाम दिखाई देना चाहिए। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल के निराकरण के लिए कलेक्टर को बैठक लेने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने पेयजल की समस्या के समाधान तथा बजट में आवश्यकता अनुरूप प्रावधान करने हेतु प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए 6 माह की कार्ययोजना बना लें। धीरी परियोजना में संशय की स्थिति नहीं होना चाहिए। इसके लिए निर्णय लेते हुए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

विधानसभा अध्यक्ष ने सड़कों के संबंध में प्राथमिकता तय करने के लिए कहा। जो सड़कें पहले से बनी हैं, उनके मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य प्राथमिकता से करें। उन्होंने शहर में शराब, जुआ एवं अपराध पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए सतत एवं सजग रहते हुए कार्य करें। उन्होंने जिले के विकास के लिए बजट में जो प्रावधान हो सकते हैं, उन्होंने उसके संबंध में निर्देशित किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने राजनांदगांव शहर में रायपुर की तर्ज पर नालंदा परिसर बनाए जाने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने टेड़ेसरा में 33/11 केवी सब स्टेशन का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने राजनांदगांव पेण्ड्री मेडिकल कॉलेज में सिटी स्कैन मशीन, एमआरआई मशीन एवं अन्य जीवन रक्षक उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए तथा मेडिकल कालेज की आवश्यकता अनुरूप प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए कहा। साथ ही उन्होंने बैडमिंटन कोर्ट में एलईडी लगाने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए कहा।

जल जीवन मिशन की बदौलत गांवों के 75 प्रतिशत घरों में पहुंचा नल का पानी

रायपुर। हर घर तक स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंचाने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन की बदौलत अब राज्य के 75 प्रतिशत ग्रामीण घरों में नल का पानी पहुंच रहा है। छत्तीसगढ़ ने मिशन के अंतर्गत प्रदेश के 49 लाख 98 हजार 571 घरों में से अब तक 37 लाख 49 हजार 556 घरों में पाइपलाइन के जरिए पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य पूर्ण कर लिया है जो कि निर्धारित लक्ष्य के 75 प्रतिशत से अधिक है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री अरूण साव ने गांवों में सुरक्षित पेयजल पहुंचाने की इस महती मुहिम के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रदेश में तेजी से कार्य किए जाएंगे। राज्य में मोदी की हर गारंटी को पूरा किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि राज्य में जल जीवन मिशन शुरू होने के पहले 15 अगस्त 2019 की स्थिति में केवल छह प्रतिशत यानि तीन लाख 19 हजार 741 ग्रामीण घरों में ही पाइपलाइन के जरिए जलापूर्ति होती थी। मिशन का काम शुरू होने के बाद अब यह 75 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। प्रदेश के 19 हजार 663 गांवों में से 2827 गांवों में हर घर में नलों से पानी पहुंच रहा है। वहीं 16 हजार 736 गांवों में इस दिशा में तेजी से काम हो रहा है। घरों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के 43 हजार 974 स्कूलों, 41 हजार 719 आंगनबाड़ियों तथा 17 हजार 320 ग्राम पंचायतों व शासकीय अस्पतालों में नल का पानी पहुंच रहा है। यह ग्रामीण इलाकों में कुल स्कूलों, आंगनबाड़ियों तथा ग्राम पंचायतों व अस्पतालों का क्रमशः 95 प्रतिशत, 91 प्रतिशत और 68 प्रतिशत है।

समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्राथमिकता -साव

- **उपमुख्यमंत्री प्रधानमंत्री जनमन शिविर में हुए शामिल**
- **20 बैगा आदिवासी युवाओं को अतिथि शिक्षक का नियुक्ति पत्र प्रदान किया**

मुंगेली। उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने कहा है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। पहली बार ऐसी योजना बनी है जिसमें गांव और गरीब के द्वार तक सरकार पहुंच रही है। वंचित हितग्राहियों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ लाभान्वित किया जा रहा है। हमारी सरकार लोगों की समस्याओं का हल करने के लिए तत्पर है। हम सब मिलकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सपनों को साकार करेंगे। खुशहाल और विकसित भारत का निर्माण करेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने आज मुंगेली जिले के खुड़िया में पीएम जनमन योजना के तहत आयोजित विशेष मेगा शिविर में ये विचार व्यक्त किए।

विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह की सामाजिक-आर्थिक उन्नति एवं बैगा आदिवासी परिवारों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ एक मंच पर दिलाने पीएम जनमन योजना के अंतर्गत लोरमी विकासखंड के खुड़िया में आज विशेष मेगा शिविर का आयोजन किया गया था। उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने इसका शुभारंभ किया। श्री साव का स्थानीय लोगों ने खुमरी पहनाकर और प्रतीकात्मक हल प्रदान कर भव्य स्वागत किया। उप मुख्यमंत्री ने शिविर में लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया तथा विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं लाभान्वित हितग्राहियों की जानकारी ली। उन्होंने विकसित भारत संकल्प यात्रा में प्रचार-वैन में चल रहे प्रधानमंत्री के संदेश और चलचित्र का भी अवलोकन किया। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने शिविर में 20 बैगा आदिवासी युवाओं को अतिथि शिक्षक के लिए नियुक्ति पत्र प्रदान किया। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को चेक एवं सामग्री का वितरण भी किया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने मेगा शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह की सामाजिक-आर्थिक उन्नति के लिए आज खुड़िया में पीएम जनमन मेगा शिविर लगाया गया है। एक ही जगह विभिन्न विभागों की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने यह शिविर लगाया गया है। शिविर के माध्यम से सरकार को आपके गांव में लाकर खड़ा किया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि शिविर में जितने स्टॉल लगे हैं, उनका अवलोकन जरूर करें।

श्री साव ने शिविर में कहा कि जब तक गांव, गरीब व किसान की तरक्की नहीं होगी, तब तक देश की तरक्की नहीं होगी। नई सरकार बनने के साथ ही हमने मोदी की गारंटी को पूरा करने की शुरुआत कर दी है। सबसे पहले 18 लाख गरीब परिवारों का आवास बनाने का निर्णय लिया गया। इसके बाद प्रदेश के 12 लाख किसानों के खाते में लंबित बोनस की राशि का अंतरण किया गया। उन्होंने कहा कि 3100 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी की जाएगी। गरीबों के जीवन में खुशहाली आए, इसका इंतजाम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया है।

उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने सुदूर वनांचल क्षेत्र के बैगा आदिवासी परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने शिविर से तीन एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इन एंबुलेंस के जरिए अचानकमार क्षेत्र के गांवों में अलग-अलग दिन कैंप लगाकर लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। लोरमी के पूर्व विधायक श्री तोखन साहू, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती दुर्गा उमाशंकर साहू और कलेक्टर श्री राहुल देव सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि और नागरिक पीएम जनमन मेगा शिविर में मौजूद थे।

शक्कर कारखाना का उत्पादन बढ़ाने गन्ना उत्पादक कृषकों को उपलब्ध कराया जाएगा जरूरी मदद-कलेक्टर

दंतेश्वरी मैय्या सहकारी शक्कर कारखाना करकाभाट में किया गया गन्ना उत्पादक संगोष्ठी का आयोजन

दंतेश्वरी मैय्या सहकारी शक्कर कारखाना करकाभाट में किया गया गन्ना उत्पादक संगोष्ठी का आयोजन

बालोद। कलेक्टर श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने कहा कि शक्कर कारखाना करकाभाट में उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ बालोद जिले में गन्ना उत्पादन हेतु अनुकूल भूमि एवं जलवायु होने के कारण गन्ना की पैदावार की भी बहुत अच्छी संभावनाएं है। श्री चन्द्रवाल ने कहा कि जिले के करकाभाट शक्कर कारखाने में समुचित उत्पादन हो सके इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा जिले के गन्ना उत्पादक कृषकों को जरूरी मदद उपलब्ध कराए जाएंगे। श्री चन्द्रवाल 26 जनवरी को दंतेश्वरी मैय्या शक्कर कारखाना करकाभाट परिसर में आयोजित गन्ना उत्पादक कृषक संगोष्ठी के अवसर पर अपना उदगार व्यक्त कर रहे थे। इस दौरान कलेक्टर श्री चन्द्रवाल ने किसानों की मांग पर किसानों को गन्ना के उत्पादन हेतु समुचित मात्रा में पानी एवं बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का आश्वासन भी दिया। इसके अलावा उन्होंने गर्मी के दिनों में गन्ना फसल के लिए विद्युत आपूर्ति में किसी भी प्रकार के अवरोध उत्पन्न न हो इसके लिए निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने की भी बात कही।

संगोष्ठी में कलेक्टर श्री चन्द्रवाल ने कहा कि किसानों की मांग पर खेत से शक्कर कारखाना करकाभाट तक गन्ने की परिवहन हेतु किसानों को मदद उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही किसानों की मांग पर सहमति व्यक्त करते हुए गन्ने की खेती के अंतर्गत भूमि सुधार के कार्य तथा गन्ना कटाई के कार्य के अलावा गन्ने के समुचित उत्पादन हेतु पड़त भूमि की सुधार हेतु मनरेगा के तहत कार्य स्वीकृत कराने पर विचार करने की बात कही। इसके अलावा उन्होंने गन्ना किसानों को अस्थाई विद्युत कनेक्शन को स्थायी कराने का आश्वासन भी दिया। कलेक्टर श्री चन्द्रवाल ने कहा कि बालोद जिले में गन्ने का पैदावार पर्याप्त मात्रा में होने पर दंतेश्वरी मैय्या शक्कर कारखाना में एथेनॉल प्लांट लगाने पर भी विचार किया जाएगा। कलेक्टर श्री चन्द्रवाल ने गन्ना कृषकों को उनके बिजली एवं पानी से संबंधित मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु 30 से 40 कृषकों को सामुहिक रूप से आवेदन प्रस्तुत करने का सुझाव भी दिया। जिससे उनके मांगों का आसानी से निराकरण सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर श्री योगेन्द्र श्रीवास, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के प्राध्यापक श्री डॉ. निलेश वर्मा, उप संचालक कृषि श्री जीएस धुर्वे, दंतेश्वरी मैय्या शक्कर कारखाना के प्रबंध संचालक श्री राजेन्द्र प्रसाद राठिया, सहायक संचालक कृषि श्री एसएन ताम्रकार सहित गन्ना उत्पादन कृषक संघ के प्रतिनिधियों के अलावा बड़ी संख्या में गन्ना कृषक उपस्थित थे।

संगोष्ठी में कलेक्टर श्री चन्द्रवाल ने उपस्थित कृषकों से जिले में गन्ने के पैदावार को बढ़ाने एवं उनकी मांगों एवं आवश्यकताओं की पूर्ति के संबंध में आवश्यक सुझाव भी लिए। इस अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के प्राध्यापक श्री डॉ. निलेश वर्मा एवं उप संचालक कृषि श्री जीएस धुर्वे ने बालोद जिले में गन्ना के पैदावार को बढ़ाने के उपायों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। शक्कर कारखाना के प्रबंध संचालक श्री राठिया ने बालोद जिले के जलवायु को गन्ना उत्पादन के लिए उपयुक्त बताते हुए किसानों द्वारा मौजूदा वर्ष में उत्पादन किए गए गन्ना की कुल मात्रा के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर किसान श्री रमेश उईके, श्री सतभुज देवांगन, श्री भोजराम, श्री बनवारी लाल आदि किसानों ने अपना विचार रखते हुए गन्ना के उत्पादन बढ़ाने एवं गन्ना किसानों को आवश्यक मदद उपलब्ध कराने के संबंध में अपना सुझाव दिया।

बालोद में किया गया विकसित भारत संकल्प यात्रा का वृहद आयोजन

विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

बालोद। केंद्र सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने एवं इनसे लाभ लेने वाले हितग्राहियों से संवाद करने के उद्देश्य से आज बालोद जिला प्रशासन द्वारा जिला मुख्यालय बालोद में विकसित भारत संकल्प यात्रा का वृहद आयोजन किया गया। जिले के नगरीय निकायों में 01 जनवरी से आयोजित की जा रही शिविरों के अंतर्गत मंगलवार 02 जनवरी को जिला मुख्यालय बालोद के सरदार वल्लभ भाई पटेल मैदान में वृहद शिविर का आयोजन कर बालोद शहर में विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन का आगाज किया गया। मंगलवार 02 जनवरी को संध्या आयोजित कार्यक्रम के समापन अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गणमान्य नागरिक श्री कृष्णकांत पवार उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद प्रतिनिधि श्री लोकेश श्रीवास्तव ने की। इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती लीला लाले शर्मा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती प्रतिभा चैधरी, श्री डोमन लाल साहू, श्री रिंकू शर्मा, श्री संदीप सिन्हा, एसडीएम श्रीमती शीतल बंसल विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर केंद्र सरकार के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को लाभान्वित भी किया गया। कार्यक्रम में विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में शामिल होने वाले प्रतिभागियों को अतिथियों के द्वारा पुरस्कृत भी किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री पवार ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा समावेशी विकास की दिशा में एक सार्थक पहल है। इसके जरिए देश के कोने-कोने में समाज के सभी वर्गों तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। यात्रा का मकसद स्वच्छता, बिजली, आवास, रोजगार, आयुष्मान भारत, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना और पीएम आवास योजना के बारे में लोगों को विस्तार से जानकारी देना है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के जरिए केंद्र सरकार का प्रयास आम लोगों को स्वच्छता सुविधा, वित्तीय सेवा, बिजली कनेक्शन, आवास से लेकर दूसरी जरूरी सेवाएं प्रदान कराना है। समाज में समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्तियों तक खाद्य, सुरक्षा, पोषण, स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छ पेयजल पहुंचाने और क्वालिटी एजुकेशन को लेकर जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के उद्देश्यों के संबंध में विस्तार से प्रकाश डाला।

इस अवसर पर उन्होंने केंद्र सरकार के विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में नगर पालिका द्वारा भारत सरकार के दिशा-निर्देश के तहत क्वीज प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें भारत सरकार की हितग्राही मूलक योजनाओ की पात्रता एवं अन्य संबंध में उपस्थित जनों द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया गया और स्थल पर ही प्रश्नों का सही जवाब देकर आकर्षक पुरूस्कार प्रदान किया गया।

इसके अलावा ''धरती कहे पुकार के'' तहत एकल डांस एवं समूह डांस प्रतियोगिता का आयोजन भी तीन वर्गो में शाला स्तर पर हाई स्कूल एवं हायर सेकण्डरी के छात्र-छात्राओ के लिए, महाविद्यालय एवं आईटीआई के लिए तथा ओपन समूह पर यह प्रतियोगिता संपन्न की गई।

कलेक्टर चन्द्रवाल ने जनदर्शन में सुनी आम लोगों की समस्याएं

बालोद। कलेक्टर श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में जिले के विभिन्न स्थानों से पहुँचे लोगों से मुलाकात कर उनके मांगों एवं समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। जनदर्शन में जिले के सुदूर अंचलों एवं विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में लोग अपने मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु कलेक्टर श्री चन्द्रवाल से मिलने पहुँचे थे। श्री चन्द्रवाल ने जनदर्शन में पहुँचे सभी लोगों से बारी-बारी से मुलाकात कर उनके मांगों एवं समस्याओं को सुना। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवेदकों के समस्याओं के निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जनदर्शन में आज गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम परसतराई निवासी परसराम सिन्हा ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, बालोद विकासखण्ड के ग्राम मोहलई निवासी श्री हीराराम ने अतिक्रमण हटाने, चैरेल निवासी दिव्यांग महिला श्रीमती उर्मिला बाई ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग की।

इसी तरह ग्राम खैरताई निवासी श्रीमती रोहणी बाई ने वृद्धावस्था पेंशन योजना का लाभ दिलाने, ग्राम बोरतरा निवासी श्रीमती निलेश्वरी बाई ने अपने परिवार के संयुक्त खाता से अलग कर अपना पृथक से खाता विभाजन करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। इसके अलावा जनदर्शन में आज ग्राम रेवती नवागांव के श्रीमती अमृत बाई, श्रीमती परमिला ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, श्रीमती यशोदा एवं श्रीमती पार्वती ने वृद्धावस्था पेंशन योजना का लाभ दिलाने की माँग की। ग्राम खेरा के पटेल श्री हीरामण साहू ने पटेल भवन हेतु जमीन आबंटित करने, श्री कोमल राम ने कृषि विभाग से अपने खेत में बोर खनन हेतु अनुदान प्राप्त करने, खैरताई निवासी पूर्णिमा साहू ने अपने गांव में सामुदायिक भवन निर्माण कराने की मांग की।

कलेक्टर ने जिले मे चल रहे विकसित भारत संकल्प यात्रा की विस्तृत समीक्षा की

बेमेतरा। कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा की अध्यक्षता मे आज कलेक्टरेट के दिशा सभाकक्ष मे साप्ताहिक समय सीमा की बैठक आयोजित की गई । बैठक के दौरान उन्होंने सर्वप्रथम गणतंत्र दिवस समारोह को गरिमामय ढंग से मनाने के लिए आवश्यक व्यवस्था एवं तैयारियां करने के लिए विभिन्न विभागों को दायित्व के बारे मे बताया । जिला स्तर पर आयोजित गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह बेसिक स्कूल मैदान मैदान में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के द्वारा ध्वजारोहण के पश्चात अर्द्ध सैनिक बलों, पुलिस एवं नगर सेना की टुकडियों द्वारा सलामी दी जायेगी। इसके बाद मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के जनता के नाम संदेश का वाचन किया जाएगा। वहीं पंचायत एवं ग्रामीण विकास, वन, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, कृषि, उद्यानिकी, मत्स्यपालन, पशुपालन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल संसाधन इत्यादि विभागों द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं-कार्यक्रमों एवं विभागीय गतिविधियों पर आधारित आकर्षक झांकी प्रदर्शित की जाएगी। गणतंत्र दिवस समारोह में शहीद जवानों के परिजनों को सम्मानित किया जाएगा। वहीं उत्कृष्ट दायित्व निर्वहन करने के लिए विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। गणतंत्र दिवस के अवसर पर शासकीय भवनों, कार्यालयों और राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों पर रोशनी की जाएगी,

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने लोलेसरा पहुंचकर संत-समागम मेला की तैयारी का लिया जायजा

बेमेतरा। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा आज बेमेतरा जिले अंतर्गत ग्राम लोलेसारा पहुंचे और वहां आयोजित होने वाले चार दिवसीय संत समागम मेले की तैयारी का जायजा लिया। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने मेला स्थल पर पेयजल, प्रकाश तथा पार्किंग और साफ-सफाई की पर्याप्त व्यवस्था के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा की 4 दिवसीय मेले के दौरान पुलिस प्रशासन उचित व्यवस्था कर लेवें और महिला मार्केटिंग मे लगे दुकानों मे पुलिस की फोर्स उपलब्ध हो ताकि चोरी जैसी वारदात ना हो पाए।

इसके पश्चात् उन्होंने हेलीपेड की तैयारियों का जायजा लिया और उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए 7 उप मुख्यमंत्री ने कबीरपंथ के पदाधिकारियों से कहा की 4 दिवसीय मेले अंतर्गत अलग अलग दिनों हेतु वरिष्ठ जन प्रतिनिधि को निमंत्रण कार्ड भेजें 7 कबीरपंथ के बारहवें वंश गुरु पंथ उग्रनाम साहब की स्मृति में 12 जनवरी से 15 जनवरी तक (चार दिवसीय) संत समागन मेला ग्राम लोलेसरा में आयोजित होगा।

इस दौरान उन्होंने कबीर पंथ के लोगों भी मुलाकात की। संत समागम मेले, कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र के कबीर पंथियों में खासा उत्साह है। जगह-जगह प्रवेश द्वार बनाए जा रहे हैं। फ्लेक्स बैनर से सजाया जा रहा है। इस अवसर पर जिला कलेक्टर रणबीर शर्मा, पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती लीना कमलेश मंडावी सहित अन्य अधिकारी, अपर कलेक्टर डॉ.अनिल वाजपेयी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल, एसडीएम सुरुचि सिंह, जिला अधिकारी, कर्मचारी, मेला आयोजन समिति के पदाधिकारी विजेंद्र सिंह वर्मा, सरपंच प्रतिनिधि गण तथा कबीरपंथ के पदाधिकारी मौजूद थे।

संपादकीय

आदित्य का सूर्य नमस्कार

भारतीय संस्कृति में हम सूर्य को 'आराध्य देव' मानते और पूजते आए हैं। बाल हनुमान और सूर्य की 'मिथकीय कहानी' आपने भी सुनी और पढ़ी होगी, लेकिन वैज्ञानिकों की जिज्ञासाओं, प्रयोगों और अनुसंधानों की सीमा अनंत है। वैज्ञानिक भी 'सूर्य नमस्कार' करते हैं, लेकिन वे सूर्य के भीतर के यथार्थ को भी जानना चाहते हैं। यही विज्ञान का मर्म है। इस संदर्भ में भारत के इसरो का 'आदित्य एल-1' सौर मिशन अपनी मंजिल तक पहुंचा है, यकीनन यह एक असाधारण और ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह इसरो का प्रथम प्रयोग है, जिसने 'लैंग्रेज प्वाइंट-1' तक पहुंच कर और अपनी कक्षा में स्थापित होकर अंतरिक्ष विज्ञान में एक और अध्याय जोड़ दिया है। अब भारत इस सफल प्रयोग के बाद अमरीका और जापान सरीखे देशों की जमात में शामिल हो गया है। 'चंद्रयान-3' और 'आदित्य एल-1' के सफल मिशनों के बाद भारत को 'अंतरिक्ष राष्ट्र' कहा जाने लगा है। नासा भी हमारे वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के हुनर को सलाम करने लगा है और अब सभी की निगाहें 'गगनयान' मिशन पर लगी हैं। मिशन के यान ने एल-1 तक पहुंचने में 15 लाख किलोमीटर की दूरी तय की है। यह दूरी पृथ्वी और सूर्य के बीच की दूरी का मात्र एक फीसदी ही है। कल्पना करें कि सूर्य पृथ्वी से कितनी दूर है। उसके बावजूद वह ऊर्जा और प्राणीय जीवन का मुख्य स्रोत है। आदित्य मिशन अगले 5 सालों तक सूर्य और उसकी गतिविधियों का अध्ययन करेगा। हररोज 1440 चित्र पृथ्वी पर भेजेगा। इस निष्कर्ष तक पहुंचने के प्रयास करेगा कि सूर्य के भीतर की हलचलें किस सीमा तक पृथ्वी को प्रभावित करती हैं।

मिशन पर 380 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए गए हैं, लेकिन मिशन के पेलोड सूर्य के जिन अनसुलझे रहस्यों को बेनकाब कर विश्व के सामने पेश करेंगे, वह बेमिसाल और अमूल्य कोशिश होगी। मिशन यान के डेक पर 'मैग्नेटोमीटर' लगा है, जिसका काम गुरुत्वाकर्षण की जानकारी जमा करना है। हालांकि एल-1 ऐसा बिंदु है, जहां सूर्य, ग्रह और तारों का गुरुत्वाकर्षण प्रभावहीन होता है, लिहाजा अध्ययन के लिए इसरो ने इस स्थान को चुना। यहीं से सूर्य की गतिविधियों पर लगातार निगाह बनी रहेगी।

30 साल के विवेकानंद ने 54 साल के जमशेदजी टाटा को दिए थे 2 आइडिया, और बदल गया भारत का इतिहास

विष्णु शर्मा

पीएम मोदी ने स्वामी विवेकानंदजी के शिकागो भाषण की 125वीं सालगिरह पर एक कार्यक्रम में जिक्र किया था कि कैसे विवेकानंदजी ने मेक इन इंडिया का आव्हान करते हुए जमशेदजी टाटा को इसके लिए प्रेरणा दी थी। आज विवेकानंद के दिए ऐतिहासिक भाषण को 126 साल हो गए हैं। विवेकानंद के इस भाषण की पूरी दुनिया दीवानी हो गई थी। यही वह भाषण था जिसने भारत की दार्शनिक मेधा, गूढ़ हिंदू धर्म को संक्षिप्त रूप से लेकिन प्रभावी तरीके से पूरी दुनिया के सामने पहुंचाया था।

बहरहाल, भाषण के अलावा विवेकानंद कई रूपों में भी याद किए जाते हैं। पिछले साल विवेकानंद के शिकागो में दिए भाषण को 125 साल होने पर पीएम मोदी ने भी याद किया गया। आइए जानते हैं क्या थी वह घटना जिसका जिक्र मीडिया में चर्चा में आ गया था।

दरअसल, ये बात 1893 की है, जब विवेकानंदजी वर्ल्ड रिलीजन कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए अमेरिका जा रहे थे और उसी शिप 'एसएस इम्प्रेस ऑफ इंडिया'पर सवार थे, जमशेदजी टाटा। शिप बेंकूवर जा रहा था। वहां से विवेकानंद को शिकागो के लिए ट्रेन लेनी थी। उस वक्त तीस साल के युवा थे विवेकानंद और 54 साल के थे जमशेदजी टाटा, उम्र में इतने फर्क के बावजूद दोनों ने काफी समय साथ गुजारा।

क्या बातें की थी विवेकानंद ने?

इस शिप यात्रा के दौरान कई मुद्दों पर स्वामी विवेकानंद और जमशेदजी टाटा में चर्चा हुई। टाटा ने बताया कि वो भारत में स्टील इंडस्ट्री लाना चाहते हैं। तब स्वामी विवेकानंद ने उन्हें सुझाव दिया कि टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करेंगे तो भारत किसी पर निर्भर नहीं रहेगा, युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। तब टाटा ने ब्रिटेन के इंडस्ट्रियलिस्ट से टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की बात की, लेकिन उन्होंने ये कहकर मना कर दिया कि फिर तो भारत वाले हमारी इंडस्ट्री को खा जाएंगे। तब टाटा अमेरिका गए और वहां के लोगों से टेक्नोलॉजी ट्रांसफर का भी समझौता किया। लोग बताते हैं कि इसी से टाटा स्टील की नींव पडी और जमशेदपुर मे पहली फैक्ट्री लगी। इस बात का जिक्र आज भी टाटा बिजनेस घराने से जुड़ी वेबसाइट्स पर मिल जाता है। इस पूरी मुलाकात की जानकारी स्वामीजी ने अपने भाई महेन्द्र नाथ दत्त को पत्र लिखकर दी थी।

जमशेद जी हैरान थे विवेकानंद को देखकर

जमशेदजी टाटा भगवा वस्त्रधारी उस युवा के चेहरे का तेज और बातें सुनकर काफी हैरान थे। भारत को कैसे सबल बनाना है इस पर उनकी राय एकदम स्पष्ट थी, ना केवल आर्थिक क्षेत्र में बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में भी। विवेकानंद ने एक और काफी अहम प्रेरणा जमशेदजी टाटा को इस यात्रा के दौरान दी। वो थी भारत में एक टॉप लेवल की यूनीवर्सिटी खोलना जहां से वर्ल्ड लेवल के स्टूडेंट्स देश भर में निकलें, जिसमें ना केवल साइंस की रिसर्च हो बल्कि ह्यूमेनिटी की भी पढ़ाई हो। टाटा ने दोनों ही बातों को गंभीरता से लिया भी, उसके बाद टाटा अपने रास्ते पर और स्वामी अपने रास्ते पर। इस मुलाकात में दो बातें टाटा ने स्वामीजी से समझीं, एक गरीब भारतीय युवा को भरपेट खाना मिल जाए और दूसरी शिक्षा मिल जाए तो वो देश की तकदीर बदल सकता है, और टाटा ने रोजगार और शिक्षा को अपना मिशन बना लिया।

ये लिखा था ब्रिटेन के अखबारों में

हालांकि दोनों की ये पहली मुलाकात थी, लेकिन टाटा उनसे काफी प्रभावित हुए। स्वामी जी का सम्मान टाटा की नजरों में तब और भी बढ़ गया, जब ब्रिटेन के अखबारों ने उनके भाषण के बाद लिखा कि ' 'After listening him we find how foolish it is to send missionaries to his country." । शिकागो भाषण के बाद विवेकानंद के चर्चे पूरे यूरोप और अमेरिका में होने लगे, वहां से वो इंग्लैंड चले गए, जहां उन्होंने कई लैक्चर वेदांत पर दिए। स्वामीजी 1897 में भारत आए और जब वो लौटे तो लोग उनकी घोडागाड़ी में से घोड़े निकालकर खुद जुत गए, ऐसे स्वागत से अभिभूत हो गए स्वामी जी। स्वामीजी ने भारतवासियों में इतना आत्मविश्वास बढ़ा दिया था कि हर कोई उन्हें सुनने को उतावला था। इधर जमशेदजी टाटा ने अपनी जिंदगी के चार मिशन बना लिए थे, एक स्टील मैन्युफैक्चरिंग यूनिट खोलना, एक विश्व स्तर की यूनीवर्सिटी शुरू करना, एक बड़ा होटल खड़ा करना और एक हाइड्रो इलैक्ट्रिक प्लांट बनाना। हालांकि होटल ताज उनके सामने ही 1903 में बनकर तैयार हो चुका था बाकी तीनों सपने उनके बाद पूरा हो पाए।

उम्र और जीवन जीने का कोई रिश्ता नहीं, बेकार है आंकड़ों में पड़ना

एमिली लेबर वॉरेन

समं सर्वेषु भूतेषु तिष्ठन्तं परमेश्वरम्।
विनश्यत्स्वविनश्यन्तं य: पश्यति स पश्यति।।
अर्थात् जो पुरुष नष्ट होते
हुए सब चराचर भूतों में परमेश्वर
को नाशरहित और समभाव से स्थित देखता है वही यथार्थ देखता है।
भीष्म पर्व, गीता 13/28
(अर्जुन के प्रति साक्षात् भगवान श्रीकृष्ण का गीतोपदेश)

हम सभी की उम्र का एक आंकड़ा होता है, जिसे हम अपने हर जन्मदिन पर याद करते हैं। लेकिन कुछ 50, 60 या 70 साल के लोग अपेक्षाकृत ज्यादा युवा दिखते और खुद महसूस भी करते हैं, जबकि इसी आयु-वर्ग के कुछ दूसरे लोग बढ़ती उम्र का रोना रोते रहते हैं। कुछ बायोमार्कर होते हैं, जैसे, त्वचा की सेहत, रक्तचाप, फेफड़ों की क्षमता इत्यादि जिनके आधार पर वैज्ञानिक इस फर्क को माप सकते हैं। स्वस्थ जीवनशैली और भाग्यशाली आनुवंशिक विरासत वाले लोग इन आकलनों में युवा पाए जाते हैं। लेकिन लोगों की बायोलॉजिकल उम्र जानने का एक तरीका सब्जेक्टिव उम्र पर आधारित भी होता है।

फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर एंटोनियो टेरासियानो के अनुसार, जब वैज्ञानिक पूछते हैं, %आप दिन के ज्यादातर वक्त खुद को कितनी उम्र का महसूस करते हैं?, तब लोग इस सवाल का जो जवाब देते हैं, वह उनके शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को दर्शाता है।% जो लोग खुद को अपनी उम्र से कम का महसूस करते हैं, वे अमूमन उन लोगों की तुलना में ज्यादा स्वस्थ होते हैं, जो खुद को ज्यादा उम्र का महसूस करते हैं। 2018 में दक्षिण कोरिया में हुए एक अनुसंधान में 68 स्वस्थ बुजुर्गों के दिमाग की जांच की गई, जिसमें पाया गया कि जो लोग खुद को युवा महसूस करते हैं, उनमें वृद्धावस्था के लक्षण कम ही दिखे। सवाल उठता है कि क्या युवा महसूस करना लोगों को स्वस्थ बनाता है, या फिर जो लोग पहले से स्वस्थ हैं, वे युवा महसूस करते हैं।

एजिंग एंड मेंटल हेल्थ जर्नल में प्रकाशित एक चीनी अध्ययन में पाया गया कि लोगों ने याददाश्त संबंधी कार्य में बेहतर प्रदर्शन किया, जब उन्हें बताया गया कि वे अपनी उम्र के अन्य लोगों की तुलना में अधिक तेज हैं। लीपजिग यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर वीज़ के अनुसार जिन संस्कृतियों में बुढ़ापे को नकारात्मक नहीं समझा जाता, वहां के लिए सब्जेक्टिव उम्र के विचार से वाकिफ नहीं होते। उनके एक शोध के दौरान बुजुर्ग व्यक्ति ने जवाब दिया, मैं 80 साल का हूं, लेकिन आपका क्या मतलब है कि मैं खुद को कितनी उम्र का महसूस करता हूं? वर्जीनिया कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी की डॉ ट्रेसी गेंड्रेन के अनुसार जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, हम अधिक खुश और संतुष्ट होने लगते हैं। सब्जेक्टिव उम्र के विचार के मुताबिक एक साठ साल का व्यक्ति खुद को 45 साल का महसूस कर सकता है। लोग लगातार परिपक्व होते हैं और कोई व्यक्ति जो 45 साल में होता है, वह 60 साल में नहीं हो सकता। यह सवाल दरअसल अनैतिक है। उम्र बढ़ना कोई नकारात्मक चीज नहीं। जो लोग जिंदगी का आनंद उठाना जानते हैं, वे हर उम्र में शांति से रह सकते हैं। और जो जिंदगी जीना नहीं जानते, वे बेशक 70 के हों और 40 का महसूस करते हों, संतुष्ट फिर भी नहीं हो सकते।

निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने वाले एजेंसी एवं ठेकेदार पर करें कड़ी कार्यवाही -कलेक्टर

दुर्ग। जिला खनिज संस्थान न्यास अंतर्गत प्रबंधकारिणी समिति की बैठक कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित प्रबंधकारिणी समिति की बैठक में कलेक्टर ने डीएमएफ मद से स्वीकृत कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि खनिज विकास निधि राशि का उपयोग विकास कार्यों में करने को कहा। कलेक्टर ने राशि स्वीकृत होने के पश्चात् लंबे समय से अधूरे कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले के समस्त अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जिले में प्रगतिरत निर्माण कार्यों एवं अपूर्ण कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करते हुए निर्माण कार्यों की स्वयं समीक्षा करें। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने वाले एजेंसी एवं ठेकेदार पर कड़ी कार्यवाही करने को कहा। डीएमएफ मद से जीर्णोद्धार कार्य जैसे आंगनबाड़ी, इमारत व शौचालय इत्यादि कार्यों की जांच के लिए जिला स्तर पर तकनीकी समिति का गठन कर उक्त कार्यों का निरीक्षण कर अनुशंसा प्राप्त होने के बाद कार्यवाही करने को कहा।

कलेक्टर ने अप्रारंभ कार्यों की सूची तैयार रखते हुए शासन के निर्देशों के तहत कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि डीएमएफ अंतर्गत जो भी कार्य स्वीकृत किए गए हैं, उसमें शासन द्वारा निर्धारित निविदाओं के नियमों का पालन करते हुए कार्य करना है। किसी भी कार्य में नियमों की अनदेखी अथवा लापरवाही पर संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

सखी वन स्टॉफ सेंटर में नाली निर्माण, आदिम जाति कल्याण विभाग को प्रयास विद्यालय में अतिरिक्त कक्ष निर्माण, आईटीआई कैम्पस में पेयजल व्यवस्था, जामगांव (आर) में पंचायत भवन के जीर्णोद्धार का कार्य, सेजेस में अन्य निर्माण कार्यों को अतिशीघ्र पूर्ण करने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अश्वनी देवांगन, अपर कलेक्टर श्री अरविंद एक्का, आयुक्त नगर निगम श्री देवेश ध्रुव, श्री आशीष देवांगन, श्री लोकेश चंद्राकर, जिला खनिज संस्थान न्यास के नोडल अधिकारी श्री लोकेश ध्रुव सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

3 अवैध प्लॉटिंग पर त्वरित कार्रवाई, चलवाया बुलडोजर

दुर्ग। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देश के परिपालन में अनुविभागीय दण्डाधिकारी दुर्ग श्री मुकेश रावटे एवं अतिरिक्त तहसीलदार श्री प्रफुल्ल कुमार गुप्ता द्वारा अवैध प्लॉटिंग निरीक्षण के दौरान दो ग्रामों में 03 अवैध प्लॉटिंग पाए जाने पर त्वरित कार्रवाई की गई है। उन्होंने अपनी उपस्थिति में जेसीबी के माध्यम से बनाए गए रास्ता को ध्वस्त करवाया। दुर्ग तहसील के ग्राम चंदखुरी के भूमिस्वामी श्री शिव कुमार पिता रेखुराम द्वारा भूमि खसरा नंबर 1058/1 रकबा 0.322 हेक्टेयर में, श्रीमती गीता देवी पति रोशन देशमुख की भूमि खसरा नंबर 1069/2 रकबा 0.20 हेक्टेयर में तथा ग्राम अंडा के भूमस्वामी श्रीमती सुंदरी पति दयाराम

की भूमि खसरा नंबर 158 रकबा 0.52 हेक्टेयर पर अवैध प्लॉटिंग हेतु तैयार किए गए सड़क रास्ता आदि स्ट्रक्चर को उखड़वाया गया। एसडीएम श्री मुकेश रावटे ने बताया कि अवैध प्लॉटिंग पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इसके लिए सभी पटवारियों से अवैध प्लॉटिंग की जानकारी मांगी जा रही है।

प्रोफेसर कॉलोनीवासियों ने अवैध रूप से संचालित दुकानों की शिकायत

-जनदर्शन में प्राप्त हुए 170 आवेदन

दुर्ग। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में प्रति सोमवार को आयोजित होने वाले कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम में कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने जिले के विभिन्न स्थानों से आवेदन लेकर पहुंचें लोगों की समस्याएं सुनी और संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही करने के लिए आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में आज 170 आवेदन प्राप्त हुए। प्रोफेसर कॉलोनी के निवासियों ने अवैध रूप से संचालित दुकानों की शिकायत करते हुए बताया कि आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल एवं साईस कॉलेज के पास प्रोफेसर कॉलोनी दीपक नगर जाने वाले रोड पर अवैध रूप से दुकानों का संचालन किया जा रहा है, दुकानों में आने वाले ग्राहकों द्वारा रोड पर गाड़ी खड़ी कर देते हैं, जिससे कॉलोनी में आने जाने वालों को परेशानी होने के साथ वाद विवाद की स्थिति निर्मित होती है। साथ ही स्कूल की निर्धारित परिधि के आसपास दुकानों के संचालन से असामाजिक व मनचले युवाओं द्वारा स्कूल में जाने वाले बच्चों से छेड़खानी करते हैं। कलेक्टर ने उनकी समस्याओं को ध्यान देते हुए नगर निगम दुर्ग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

ग्राम पोटियाकला वासियों ने स्ट्रीट लाईट लगवाने दिया आवेदन। उन्होंने बताया कि ग्राम पोटियाकला वार्ड 54 में स्ट्रीट लाईट नही होने की वजह से अंधेरे के कारण असामाजिक तत्व का जमावाड़ा बना रहता है, जिससे कारण मोहल्लेवासियों को अंधेरे के कारण आने जाने में परेशानी होती है। इसी प्रकार खोपली निवासी ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग की। खोपली निवासी गंगा अत्यंत गरीब एवं कमजोर वर्ग की है। रोजी मजदूरी कर अथवा भरण पोषण करती है। आर्थिक रूप से सक्षम नही होने के कारण अपना इलाज करवाने में असमर्थ है। इस पर कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

मिनी स्टेडियम पद्मनाभपुर के निवासियों ने शिकायत करते हुए बताया कि मिनी स्टेडियम में सालभर होने वाले क्रिकेट मैच में लाउडस्पीकर, डीजे और ड्रम का उपयोग करते हैं जिससे ध्वनि प्रदूषण होता है, जो कि रात 12 बजे तक चलता रहता है। क्षेत्र के आसपास के निवासियों विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों को इन घटनाओं के कारण ध्वनि प्रदूषण के साथ कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। निवासियों द्वारा मिनी स्टेडियम में होने वाले आयोजनों से नही है, बल्कि ध्वनि प्रदूषण से होने वाले कष्टों से है। इस पर कलेक्टर ने नगर निगम दुर्ग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

सेंट्रल एवेन्यु रोड व राष्ट्रीय राजमार्ग दुर्ग-रायपुर में 1 तारीख से दोपहिया वाहनों के लिए हेलमेट पहनना होगा अनिवार्य

दुर्ग। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राम गोपाल गर्ग भी सम्मिलित हुए। कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग व अन्य सड़कों पर हुई दुर्घटनाओं की रोड, थाना तथा सड़कवार रिपोर्ट्स की गहन समीक्षा की तथा चिन्हांकित ब्लैक स्पॉट्स पर सुधारात्मक कार्य जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले की सड़कों में यातायात सुरक्षा को और पुख्ता करने के लिए विभिन्न सुझावों पर विमर्श कर कई महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए। इसमें विशेष रूप से सड़कों से अवैध कब्जे हटाना, प्रकाश व्यवस्था, संकेतक, रोड मार्किंग व गति नियंत्रक बोर्ड लगाना आदि शामिल है। कलेक्टर ने जिले के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में यातायात जागरूकता बढ़ाने तथा नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। साथ ही ध्वनि प्रदुषण पर नियंत्रण हेतु प्रेशर हॉर्न व मोडिफाई साइलेंसर्स पर प्रवर्तन कार्यवाही करने तथा इसकी ब्रिकी पर नियंत्रण हेतु मैकेनिक्स एवं ऑटोपार्ट्स विक्रेताओं पर भी सक्त कार्रवाई के निर्देश दिए। इसी प्रकार सेंट्रल एवेन्यु रोड व राष्ट्रीय राजमार्ग दुर्ग-रायपुर में 1 तारीख से दोपहिया वाहनों के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य होगा।

कलेक्टर सुश्री चौधरी ने सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय के द्वारा 2024 हेतु चिंहाकित ब्लैक स्पॉट्स की जानकारी ली। जिस पर डी.एस.पी. ट्रैफिक श्री सतीश ठाकुर ने बताया कि वर्ष 2021, 22 एवं 23 में घटित मृत्युजन्य/संघातिक सड़क दुर्घटनाओं के आधार पर सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय द्वारा ब्लैक स्पॉट के लिए परिभाषित मानक अनुसार सड़क दुर्घटनाओं एवं मृत्युदर में कमी लाये जाने हेतु 8 दुर्घटनाजन्य सड़क खण्डों को वर्ष 2024 हेतु ब्लैक स्पॉट्स चिन्हांकित किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि उपरोक्त सभी सड़कों पर सुधारात्मक कार्य हेतु सड़कों का भौतिक सत्यापन एवं दुर्घटनाओं के कारणों की समीक्षा की गई है। इसके अलावा उन्होंने यह भी बताया कि पूर्व में चिन्हांकित जिले की 6 ब्लैक स्पॉट्स वाली सड़कों पर सुधारात्मक कार्य किए जाने के उपरांत मृत्युजन्य/संघातिक सड़क दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होने से सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय द्वारा ब्लैक स्पॉट्स के लिए परिभाषित मानक अनुसार वर्ष 2024 हेतु ब्लैक स्पॉट्स की श्रेणी में नहीं आने के कारण सूची से हटाया गया है।

कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने जिले के संभावित दुर्घटना क्षेत्रों को चिन्हांकित कर सड़क सुरक्षा की दृष्टि से व्यापक इंतजाम करने के निर्देश दिए, जिससे दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

जल जीवन मिशन के लिए मिशन मोड में कार्य करने की आवश्यकता

कलेक्टर ने जल जीवन मिशन अंतर्गत कार्य कर रहे कान्ट्रेक्टर्स की ली बैठक

राजनांदगांव। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जल जीवन मिशन अंतर्गत कार्य कर रहे कान्ट्रेक्टर्स की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए तेजी से कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन अंतर्गत कार्य को गति देने के लिए मिशन मोड में कार्य करने की आवश्यकता है। इसके लिए तकनीकी दिक्कत को दूर करते हुए कार्य करें। उन्होंने ऐसे कान्ट्रेक्टर्स एवं ठेकेदार जिन्होंने कार्य लेने के बाद कार्य बंद कर दिया है, उन्हें 15 फरवरी तक कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए। निर्माण कार्य के लिए शासन द्वारा जारी की गई राशि का उपयोग करते हुए समय पर कार्य पूर्ण होना चाहिए। इसके साथ ही सामग्री की गुणवत्ता एवं कार्य पर ध्यान देते हुए कार्य करें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जनसामान्य को दिक्कत होने पर संबंधित कान्ट्रेक्टर्स पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि समन्वय की समस्या नहीं होनी चाहिए। यदि किसी गांव में पेयजल की उपलब्धता के लिए कोई दिक्कत आ रही है तो फिल्ड में विजिट कर कार्य को पूरा करें। उन्होंने निर्माण कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने सभी कान्ट्रेक्टर्स से उच्च स्तरीय जलागार, डिस्ट्रीब्यूशन, एफएचटीसी, सबमर्सिबल पम्प, क्लोरिनेटर रूम, क्लोरिनेटर सिस्टम, राईजिंग मेंन, बाउण्ड्रीवॉल, स्वीच रूम, विद्युत कनेक्शन के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने ग्राम देवादा, जंगलेशर, मरेठानवागांव, ढाबा, टुरीपार, कुवांरझोरकी, घोटिया, पडरामटोला, तेलीटोला (टप्पा), डारागांव, कोलिहापुरी (छी), अमलीडीह, अउरदा, ईरइखुर्द, मासुल, खम्पुरा, भुरसाटोला, पिपरखारकला, भरकाटोला, खुर्सीपार, बागनदी, गिरगांव, कोपेडीह, कन्हारडबरी, साल्हे, गाताटोला, आरगांव, पैरी, टेका, जंगलपुर, छीपा, मुरमुन्दा, कोलिहापुरी (नवा) हालेकोसा, नागरकोहरा, बननवागांव, पिपरीया, माटेकट्टा, राका, मांगीखुटा, दमऊदहरा, गुण्डरी, खुबाटोला, सीतागोटा, मोतीपुर, झिंझारी, खोराटोला, सागर, चिद्दो, खरखाटोला, मुसराखुर्द, चिरचारीकला, बजरंगपुर, भकुर्रा, केशोटोला, केशोखैरी, कुहीकसा, तेन्दूटोला, सड़क चिरचारी, थैलीटोला, कापा, मोतीपुर, केसाल, मेटेपार, तुमड़ीकसा एवं खपराभाट में जल जीवन मिशन अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की समीक्षा की। कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री समीर शर्मा ने जल जीवन मिशन अंतर्गत किए जा रहे कार्यों के संबंध में जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अन्य अधिकारी व कान्ट्रेक्टर्स उपस्थित थे।

डॉ. रमन नया ढाबा में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में हुए शामिल

राजनांदगांव। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह राजनांदगांव शहरी क्षेत्र नया ढाबा में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में शामिल हुए। केन्द्र शासन की योजनाओं से नागरिकों को जागरूक करने एवं योजनाओं से लाभान्वित करने विकसित भारत संकल्प यात्रा की मोबाईल वैन आज नया ढाबा पहुंची। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्र शासन की योजनाओं से आम जनता लाभान्वित हो रही है। हितग्राहियों को शिविर में लाभ मिला है। साथ ही जनसामान्य ने विभिन्न योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन किया है और उसकी प्रक्रिया आरंभ हो गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। देश में आस्था के मंदिर के साथ लोकतंत्र का मंदिर बन रहा है। यह हमारा गौरव है कि सनातन धर्म और 140 करोड़ लोगों का सपना 22 जनवरी 2024 को पूरा होगा और अयोध्या में श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा-रामोत्सव का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र शासन की योजनाओं का लाभ ज्यादा से ज्यादा आम जनता को मिले। प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना सहित विभिन्न योजनाएं एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन पूरे देश में चल रहा है।

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत तोतलभर्री में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामवासी

राजनांदगांव। जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन आज डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत तोतलभर्री में किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ग्रामवासियों से रूबरू हुए और उनकी समस्याओं को सुना। कलेक्टर ने यहां लगाए गए विभागीय स्टॉल का अवलोकन किया। दिव्यांग श्री रामेश्वर मानिकपुरी ने अपनी समस्या बताई। कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग अंतर्गत पात्रता अनुसार पेंशन दिलाने के लिए निर्देशित किया। राजस्व विभाग के स्टॉल में उन्होंने राजस्व अधिकारियों एवं ग्रामवासियों से कहा कि खाता विभाजन जरूर कराएं। इससे धान बिक्री करने में तथा ऋण लेने में आसानी होती है। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि जनसमस्या निवारण शिविर में आस-पास के दूरस्थ अंचलों के ग्रामवासी आए हुए हैं। यहां 57 लाख 9 हजार रूपए की लागत के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। जिनमें से 6 लाख रूपए के नाली निर्माण तथा 51 लाख 9 हजार रूपए की लागत के मजदूरी मूलक कार्य किए जाएंगे। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल में स्वास्थ्य जांच की जा रही है तथा पुलिस विभाग के स्टॉल में खेल सामग्री एवं महिलाओं को साड़ी का वितरण किया गया है। वहीं नन्हें बच्चों को सुपोषण किट प्रदान किया गया। हर विभाग के स्टॉल में चाहे वे कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, खाद्य विभाग सहित सभी विभागों द्वारा स्टॉल लगाया गया है और यह दिन सार्थक होना चाहिए। उन्होंने जनसामान्य से कहा कि शासन की योजना का अधिक से अधिक लाभ लें।

कलेक्टर को बैठाकर एसपी ने हेलमेट पहन कर बाईक चलाई,

- जिले में सड़क दुर्घटना से होनी वाली मृत्यु दर में कमी लाने होंगे जागरूकता कार्यक्रम
- जनसामान्य को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा के प्रति सावधानी बरतने एवं हेलमेट पहनने का दिया गया संदेश

राजनांदगांव। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के शुभारंभ कार्यक्रम परिवहन विभाग और यातायात विभाग द्वारा यातायात कार्यालय परिसर में आयोजित किया गया। जिले में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2024 के तहत 15 जनवरी से 14 फरवरी 2024 तक आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत जनसामान्य को जागरूक करने के लिए बाईक रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल को बैठाकर पुलिस अधीक्षक श्री मोहित गर्ग ने हेलमेट पहन कर बाईक चलाई। इनके साथ लगभग 100 से अधिक बाईकर्स द्वारा शहर का भ्रमण कर हेलमेट पहनकर जनसामान्य को हेलमेट पहनने का संदेश दिया गया

कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सड़क दुर्घटना तेज रफ्तार से वाहन चलाने और नशीले पदार्थ का सेवन कर वाहन चलाने से होती है। इसे विशेष ध्यान देने की जरूरत है। तेज रफ्तार से वाहन नहीं चलाना चाहिए। कही भी जाना है तो उससे 5 या 10 मिनट पहले निकलना चाहिए। जिससे वाहन तेज गति से चलाने की जरूरत नहीं होगी और सड़क दुर्घटना से बच सकते हैं। गाड़ी चलाते समय अपने और दूसरों के परिवार के बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट अवश्य लगाना चाहिए। जिससे सड़क दुर्घटना से होनी वाली मृत्यु से बचा जा सकता है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों से कहा कि यातायात के नियमों और सड़क दुर्घटना से बचने के उपायों को 10-10 लोगों को बतायें और अन्य 10-10 लोगों तक इसके संबंध में जागरूक करने की बात कही। धीरे-धीरे सभी वर्गों तक यातायात नियमों और सड़क दुर्घटना के बचाव के संबंध में जागरूक हो सकेगी। जिससे सड़क दुर्घटना से होनी वाली मृत्यु में कमी आ सकेगी। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा के संबंध में नुक्कड़ नाटक, पाम्पलेट, बैनर, फ्लैक्स, होर्डिंग एवं जिले के सभी स्कूलों और महाविद्यालयों में वाद-विवाद प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता आयोजित करने के संबंध में जानकारी दी जाएगी। जिससे बच्चे अपने घर में जाकर माता-पिता, भाई, बहन सहित परिवार के सभी सदस्यों को इसके संबंध में जानकारी दे सकें।

विकसित भारत संकल्प यात्रा से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा योजनाओं का लाभ-केंद्रीय मंत्री गिरिराज

ग्राम ढोंगदरहा व रंजना में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर में केंद्रीय मंत्री हुए शामिल

कोरबा। भारत सरकार के ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री श्री गिरिराज सिंह आज विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत कोरबा विकासखण्ड के ग्राम ढोंगदरहा एवं कटघोरा विकासखण्ड के ग्राम रंजना में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने शिविर में आयोजित गतिविधियां देखी और विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया।

शिविर में स्वास्थ्य आयुष्मान कार्ड, केसीसी, महिला बाल विकास, कृषि, खाद्य, आधार सेवा केंद्र, आदिम जाति विकास विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी आमजनों को प्रदान की गई। इस अवसर पर विधायक कटघोरा श्री प्रेमचंद पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिवकला छत्रपाल सिंह कंवर, पूर्व गृह मंत्री श्री ननकी राम कंवर, भारत सरकार के पंचायती राज के अतिरिक्त सचिव श्री सी. एस. कुमार, निदेशक मनरेगा नई दिल्ली श्री धर्मवीर झा, कलेक्टर श्री अजीत वसंत सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री श्री सिंह सहित अन्य अतिथियों ने छत्तीसगढ़ महतारी व माता सरस्वती की छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, साथ ही विकसित भारत संकल्प यात्रा वैन के माध्यम के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संदेश का श्रवण भी किया। शिविर में उपस्थित ग्रामीणों को आत्मनिर्भर व विकसित भारत बनाने हेतु संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों द्वारा मनोरम सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। शिविर में

केंद्रीय मंत्री श्री सिंह ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि भारत को 2047 तक विकसित बनाना है। जिससे देश के गरीब, महिला, किसान एवं युवा वर्ग शक्तिशाली एवं समृद्ध बन सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी गरीबों को आवास, पानी, बिजली, शौचालय, बेहतर स्वास्थ्य लाभ सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध है। इस हेतु प्रधानमंत्री द्वारा समाज के हर वर्ग के हितों को ध्यान में रखकर अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। पीएम आवास योजना से कमजोर वर्ग के लोगों का पक्के मकान का सपना साकार हो रहा है। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराया जा रहा है। उज्वला योजना से महिलाओं को धुआं रहित स्वच्छ ईंधन प्रदान किए जा रहे है। पीएम मातृत्व वंदना योजना से माताओं को पोषण हेतु सहयोग राशि प्रदान किया जा रहा है। आजीविका मिशन के अंतर्गत बिहान से जुड़ी दीदियों को लखपति दीदी बनाने का प्रयास सहित जनधन खाता के माध्यम से ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं से मिलने वाली राशि सीधे उनके खाते में जा रही है। श्री गिरिराज ने कहा कि कोरोना जैसे भीषण महामारी के समय भी समाज के अमीर व गरीब हर वर्ग को नि:शुल्क वैक्सीन उपलब्ध कराई गई। केंद्रीय मंत्री श्री गिरिराज ने कहा कि प्रदेश में नई सरकार के गठन होने के साथ ही मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा 18 लाख नए पीएम आवास बनाने का संकल्प लिया गया है, जिसका क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पीएम आवास सहित सभी योजनाओं की राशि सीधे हितग्रहियों के खाते में दी जा रही है। आमजनों को अब योजनाओं की जानकारी और लाभ लेने के लिए शासकीय कार्यालयों का चक्कर लगाना नही पड़ता, सरकार खुद अपनी योजनाओं की जानकारी देने खुद आप तक पहुंच रही है।

पर्यावरण को प्रदूषित करने वाले राखड़ लोड वाहनों पर हुई कार्यवाही,

- 12 वाहनों पर कार्यवाही कर 43 हजार रुपए वसूला गया जुर्माना
- तीन ओव्हरलोड वाहनों को किया गया जप्त

कोरबा। राखड़ परिवहन के संबंध में कलेक्टर अजीत वसंत द्वारा नियमानुसार कार्यवाही के कड़े निर्देश के पश्चात जिले में जाँच और कार्यवाही के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इस कड़ी में परिवहन अधिकारी शशिकांत कुर्रे, एसडीएम कटघोरा श्रीमती रिचा सिंह द्वारा गोपालपुर जेंजरा-कटघोरा मार्ग में पर्यावरण को ताक पर रख कर राखड़ परिवहन करने वाले वाहनों की सघन जांच की गई। बिना तिरपाल, बिना रिफलेक्टर, अवैध डंपिंग, बिना फिटनेस के संचालित राखड़ लोड वाहनों पर चलानी कार्यवाही की गई। मौके पर ही वाहनों में सुव्यवस्थित तरीके से तिरपाल लगवाई गई तथा सड़क किनारे, खुले जमीन पर राखड डंप न करने की समझाइश दी गई। टीम द्वारा रात्रि में सड़क किनारे अवैध डंपिंग कर पर्यावरण को प्रदूषित करने वाले ऐसे वाहन चालकों पर विशेष नजर रखी जा रही है जो नियमों को ताक पर रख कर राखड़ डंप कर रहे हैं। आर.टी.ओ. उड़नदस्ता टीम द्वारा विभिन्न मार्गो पर 12 ऐसे वाहनों पर चालानी कार्यवाही से 43000/- रुपए की जुर्माना राशि वसूल की गई। अभी यह संयुक्त कार्यवाही आगे दिनों में भी जारी रहेगा।

नवपदस्थ कलेक्टर ने कार्यालयीन शाखाओं का किया निरीक्षण

कोरबा। जिले के नवपदस्थ कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने आज कलेक्टोरेट में संचालित विभिन्न विभागों के कार्यालयीन शाखाओं का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने अधीक्षक शाखा, खनिज विभाग, डीएमएफ, भू-अभिलेख शाखा, भू-अर्जन शाखा, नजूल अधिकारी, एनआईसी, न्यायालय अतिरिक्त कलेक्टर, कोषालय, नाजिर शाखा, जिला अंत्यावसायी, खाद्य विभाग, आबकारी, खाद्य आपूर्ति निगम, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग एवं जनसंपर्क विभाग सहित विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने कार्यालयों में जाकर विभागीय गतिविधियों सहित शाखा के क्रियाकलापों आदि के बारे में जानकारी ली। उन्होंने निरीक्षण के दौरान विभिन्न शाखाओं के अधिकारी कर्मचारियों को समय पर कार्यालय आने और शासकीय दायित्वों का निष्ठा पूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने शाखाओं के लिपिकों को समय पर कार्य पूरा करने, अनावश्यक किसी फाइल को रोककर नहीं रखते हुए आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित प्रभारी अधिकारियों को भी अपने शाखाओं के गतिविधियों पर नजर रखते हुए समय पर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आवक-जावक शाखा में प्राप्त पत्रों का क्रमवार संधारण के निर्देश देते हुए कहा कि वे स्वयं 15-15 दिन में शाखा का अवलोकन करेंगे। उन्होंने स्थापना शाखा में टीए-डीए, चिकित्सा दावा, वेतनवृद्धि सहित कलेक्टेªट के कर्मचारियों के पदोन्नति प्रकरणों को समय-सीमा में करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कलेक्टेªट परिसर सहित प्रसाधन कक्ष में नियमित साफ-सफाई, लंबित बिलों के निराकरण के निर्देश जिला नाजिर को दिए। उन्होंने कलेक्टोरेट परिसर में मरम्मत की आवश्यकता वाले स्थानों का चिन्हांकन कर मरम्मत करने के निर्देश दिए।

एल्यूमिनियम उत्पादन के साथ अब कोरबा में तैयार होंगे लघु उत्पाद

कोरबा। वर्ष 2001 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अजीत जोगी के कार्यकाल में बाल्को विनिवेश के दौरान एल्यूमिनियम पार्क बनाने का निर्णय लिया गया। वर्ष 2005 में तत्कालीन भाजपा सरकार ने पहली बार एल्यूमिनियम पार्क बनाने की घोषणा बजट में की, पर यह योजना अभी तक धरातल पर नहीं आ सकी, क्योंकि अब तक जमीन नहीं मिल सकी। अब एक बार फिर राज्य की भाजपा सरकार ने एल्यूमिनियम पार्क बनाने की घोषणा करने के साथ ही पांच करोड़ का प्रविधान रखा है। इससे क्षेत्रवासियों में उम्मीद की किरण जागी है। जिले में एल्यूमिनियम उत्पादन होने के साथ ही अब कोरबा में लघु उत्पाद भी तैयार होंगे।

एल्यूमिनियम पार्क ऐसा औद्योगिक क्षेत्र होगा, जहां एल्यूमिनियम से बनने वाले विभिन्न प्रोडक्ट की इकाइयां लगेंगी। वैसे तो कोरबा में बड़े-बड़े पावर प्लांट व कोयला खदानें है। जहां तक छोटी औद्योगिक इकाईयों का प्रश्न है तो केवल कोरबा में रजगामार रोड पर पांच दशक पहले विकसित किया गया इंडस्ट्रीयल एरिया ही है। एल्यूमिनियम पार्क बनने से जरूरी कच्चा माल विशेष रूप से एल्यूमिनियम बाल्को से मिल जाएगा। इसकी मुख्य वजह यह है कि वर्तमान में बाल्को में 5.75 लाख टन से भी ज्यादा एल्यूमिनियम का उत्पादन होता है और उसे बाहर भेज दिया जाता है। स्थानीय स्तर पर लघु इकाइयां होने से न केवल रोजगार का सृजन होता बल्कि क्षेत्र का विकास भी होता।

एल्यूमिनियम पार्क स्थापना में सबसे बड़ी बाधा जमीन का नहीं मिलना रहा है।

पार्क के लिए ग्राम दोंदरो में 192 हेक्टेयर भूमि चिंहित की गई थी, पर बाद में वन विभाग ने देने से इंकार कर दिया। वन विभाग का कहना है कि इस भूमि में 152 हेक्टेयर भूमि में सघन वन क्षेत्र है और वन संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन होगा, जिला उद्योग विभाग ने जमीन आवंटन के लिए पत्राचार किया था। इसके पहले ग्राम सोनपुरी और रूकबहरी में भी जमीन चिन्हित की गई थी, लेकिन ग्रामसभा के दौरान ग्रामीणों के से विरोध किए जाने से योजना पर आगे काम नहीं हो सका।

विधायक ने बढ़ते प्रदूषण पर जताई चिंता

कुरूद। व्यापारी कल्याण संघ कुरूद द्वारा आयोजित दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता के समापन समारोह के मुख्य अतिथि विधायक अजय चन्द्राकर ने आयोजन की प्रशंसा करते हुए वरिष्ठ एवं महिला व्यापारियों का सम्मान करते हुए कहा कि व्यवसाय के साथ-साथ धार्मिक सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए भी कारोबारी जगत को आगे आना होगा तभी नगर का संतुलित विकास होगा।

व्यापारी संघ द्वारा नव वर्ष मिलन समारोह के तहत प्रथम दिवस कपड़ा,किराना,सराफा विक्रेता टीम, पत्रकार और पुलिस के बीच जोरदार मैच हुआ।अगले दिन कैरम, शतरंज कुर्सी दौड़, लंबी कूद, बैडमिंटन आदि खेलों का आयोजन हुआ। समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए पूर्व मंत्री श्री चन्द्राकर ने राइस मिलर्स को बढ़ते प्रदुषण पर रोक लगाने की नसीहत देते हुए सभी प्लांट में सोलर सिस्टम लगवाने एवं आबादी से दूर मिल लगाकर पॉल्यूशन से मानवता को बचाने की बात कही। उन्होंने नगर के व्यापारियों को आधुनिक तकनीक और दुनिया में आ रहे बदलाव को समझ मल्टी टास्किंग वर्क कल्चर को अपनाने पर जोर दिया।

साथ ही जीएसटी पर आनलाइन सेमिनार आयोजित कर टैक्स संबंधित समस्या का निदान, समय और खर्च बचाने के तरीके सीखने की सलाह व्यापारियों को दी।

अध्यक्षता कर रहे नए अध्यक्ष तपन चंद्राकर ने आपसी प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा देने वाले इस आयोजन की तारीफ करते हुए नगर में कारोबार को बढ़ाने में अपनी ओर से हर तरह का सहयोग देने का आश्वासन दिया।

इस मौके पर भानु चंद्राकर, योगेंद्र सिंह, रवि चंद्राकर, देवनाथ सोनी, सत्यवान,भूषण, सोमू देवांगन, मुरली शादीजा,अनिल बजाज, सुरेश वर्दयानी, विद्या,उज्जवला देवांगन सत्यभामा सिन्हा, कल्पना गोस्वामी, खिलेंद्र चंद्राकर,हरीश केला , आशीष शादिजा, कोमल साहु,मलय चंद्राकर, मोहन अग्रवाल रोशन निर्मलकर पुष्कर गोस्वामी टेकराम साहू पंकज केला आदि उपस्थित थे।

डेली नीड्स की दुकान से सुनीता को प्रतिदिन 500 से 700 रूपये की हो रही आमदनी

धमतरी। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से महिलायें स्वयं आत्मनिर्भर हो रहीं हैं। साथ ही अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दे रहीं हैं। ऐसी ही महिला सेहराडबरी की श्रीमती सुनीता साहू। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत ग्राम सेहराडबरी में गत दिनों लगे संकल्प शिविर में पहुंची सुनीता ने अपनी कहानी अपनी जुबानी बताते हुये कहा कि वे राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्व सहायता समूह में जुड़ने से पहले घर का काम करतीं थीं और छोटे-मोटी जरूरतों के लिये पति और परिवार पर निर्भर रहतीं थीं। इसके बाद उन्हें योजना से जुड़ीं गांव की ही कुछ महिलाओं ने बताया कि स्व सहायता समूह से होने वाले फायदे के बारे में बारिकी से जानकारी दीं।

सुनीता ने इससे प्रभावित होकर बिल्कुल देर नहीं करते हुये स्व सहायता समूह से जुड़ने के लिये अपनी हामी भर दी। वैष्णवी स्व सहायता समूह से जुड़ने के बाद सुनीता सक्रिय महिला के रूप में चयनित हुईं। समूह के बचत, ग्राम संगठन एवं बैंक लिंकेज से कम ब्याज दर पर उपलब्ध होने वाले ऋण की जानकारी ली और दो लाख रूपये का ऋण लेकर आजीविका के लिये डेलीनीड्स की दुकान संचालित करने लगीं। इससे सुनीता को प्रतिदिन 500 से 700 रूपये की आमदनी होने लगी।

सुनीता बतातीं हैं कि वर्तमान में डेली नीड्स की दुकान चलाने के साथ ही सक्रिय महिला के रूप में कार्य करके अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहीं हैं। सुनीता ने बिहान से जुड़ने के बाद विभिन्न प्रशिक्षण भी प्राप्त कीं। इनमें 5 दिवसीय पुस्तक संचालन प्रशिक्षण, 7 दिवसीय सक्रिय महिला प्रशिक्षण, 6 दिवसीय सामाजिक सर्वेक्षण का प्रशिक्षण और 3 दिवसीय टीएमआईएस का प्रशिक्षण शामिल है। इसके साथ ही वे गांव की अन्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिये प्रोत्साहित भी कर रहीं हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से उन्हें अपनी छोटी-मोटी जरूरतों को पूरा करने के लिये किसी के आगे हाथ फैलाने की आवश्यकता नहीं होती। वे स्वयं अपना और परिवार को आजीविका के लिये आर्थिक मदद कर रहीं हैं।

राजस्व मंत्री के गृह जिले में अवैध उत्खनन व परिवहन कर रॉयल्टी चोरी का बड़ा खेल, प्रशासन नहीं कर रही कार्यवाही,

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार भाटापारा जिले में अवैध कारोबार अपनी चरम सीमा पर है चाहे वह गिट्टी, मुरूम, कोयला, ईंट, रेत, शराब जैसे अनेकों मामले अनेकों जगह से देखा जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य के खेल एवं युवा कल्याण व राजस्व एवं आपदा प्रबंधन।

कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा के गृह जिले बलौदाबाजार भाटापारा मे बड़े पैमाने पर खनिजों, रेत चोरी और बालू का अवैध उत्खनन एवं परिवहन धड़ल्ले से बदस्तूर जारी है। और यह सब जिले के राजस्व, खनिज, आरटीओ, यातायात एवं पुलिस के आला अधिकारियों के सह पर हो रहा है। वही पत्रकारों के द्वारा जब अधिकारियों से संबंध में पूछा जाता है तो उनका रटाया जवाब आता है कि आपके माध्यम से जानकारी मिली है जांच करवाता हूं और फिर यह जांच इतनी लंबी होती है कि अधिकारी ही बलौदाबाजार जिला छोड़ देते हैं।

सवाल यह उठता है कि जिला अधिकारियों को जानकारी देने के बाद भी आखिर कार्यवाही क्यों नहीं होती है। आपको यह भी बता दे कि रेत का उत्खनन एवं परिवहन रात में प्रतिबंध रहता है और यह पर्यावरण विभाग भी कहता है पर जिले में रात्रि में ही महानदी का सीना छलनी किया जाता है और लाखों टन रेत बगैर रायल्टी के बाहर भेज दिया जाता है।

सूत्र बताते हैं कि इस अवैध उत्खनन एवं परिवहन मे जिले के बड़े दिग्गज जनप्रतिनिधि भी शामिल हैं जिनकी हाईवा, जेसीबी, टैक्टर वाहन इस अवैध उत्खनन एवं परिवहन मे लगी है और यही लोग छत्तीसगढ़ राज्य को राजस्व हानि पहुंचाने में पीछे नहीं हट रहे हैं।

बलौदाबाजार जिले में पानी की विकराल समस्या करोड़ों रुपए खर्च के बावजूद नगरवासीयो को नहीं मिल पा रहा है पेयजल

बलौदाबाजार। केंद्र सरकार द्वारा हर घर नल योजना का शुभारंभ किया गया है जल जीवन मिशन योजना के माध्यम से देश के प्रत्येक घर तक स्वच्छ पानी पहुँच सके जिसके लिए सरकार द्वारा प्रत्येक घर तक नल का कनेक्शन उपलब्ध कराया जा रहा है ताकि प्रत्येक घर तक स्वच्छ पानी उपलब्ध हो सके वही प्रदेश के बड़े नगर पंचायतो में से एक नगर पंचायत लवन विगत 20 वर्षो से पानी की विकराल समस्या से जूझ रहा है यहां पेयजल के लिए करोड़ों रुपए खर्च करने के बावजूद भी नगर वासियों को सुचारु रूप से पीने के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है विगत 10-15 दिनों से पानी की भयंकर समस्या उत्पन्न हो गई नगर के ज्यादातर नलों में पानी नहीं आने के कारण नगर वासियों बूंद बूंद पानी के लिए तरसना पड़ रहा है इस समस्या को लेकर विभिन्न वार्डों की

महिलाओं द्वारा सोमवार को नगर पंचायत कार्यालय जाकर प्रदर्शन किया एवं सीएमओ को ज्ञापन सौंप कर दो-चार दिन के भीतर पानी की समस्या का निराकरण करने कहा नहीं होने पर आगामी दिनों में उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। विदित हो की शासन द्वारा करोड़ों रुपया खर्च कर फिल्टर प्लांट तो बना दिया गया है लेकिन फिल्टर प्लांट में सुचारू रूप से पानी सप्लाई नहीं होने के कारण नगर वासियों को पेयजल के लिए वंचित होना पड़ रहा है।

ज्ञात हो कि इस फिल्टर प्लांट में पंडरिया एनीकट पंप हाउस से पानी की सप्लाई की जाती है लेकिन उस एनीकट में पानी ही नहीं होने के कारण फिल्टर प्लांट में पानी सप्लाई पूरी तरह से बंद है जिससे पानी की समस्या बनी हुई है। पार्षद मृत्युंजय पांडेय, पार्षद गायेस्वर साहू, पार्षद प्रतिनिधि चूड़ामणि पार्षद प्रतिनिधि कुछ्रु रात्रे ,नगरवासी पंकज कुमार अग्रवाल ने पानी की समस्या का एक प्रमुख कारण यह भी है कि पंडरिया एनीकट में पंप हाउस पी एच ई विभाग द्वारा निर्माण किया गया गलत जगह निर्माण होना एवं एनिकट से ऊपर फुटबॉल का लगना जिसे पानी का लेवल कम होने पर पानी सप्लाई बंद हो जाता है एवं एनिकट में भरपूर मात्रा में पानी होने पर ही पानी की सप्लाई लवन में होती है

वही फरवरी माह में ही सुख गया पंडरिया एनीकट जनप्रतिनिधियों ने जल संसाधन विभाग के ऊपर आरोप लगाते हुए कहा कि जल संसाधन विभाग के निष्क्रियता के कारण फरवरी माह में एनीकट में पानी नहीं होना नदी का सुख जाने के कारण ही लवन में पानी की सप्लाई सुचारू रूप से नहीं हो पा रही है अभी आगामी दिनों में भीषण गर्मी आने को है पानी की समस्या को लेकर यदि कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो निसंदेह गर्मी में नगर वासियों को पानी की एक एक बूंद के लिए तरसना पड़ सकता है।

पूर्व में लवन में पानी सप्लाई हेतु कुल तीन पानी टंकी बना हुआ है उस टंकी में तीन पंप के माध्यम से पानी पहुंचता है जिसमें से दो बुढ़ापारा एक नगर पंचायत जिसमें वार्ड क्र.2, 12 13, 14 एवं 15 वार्डो में पानी की सप्लाई की जाती है वही ग्राम डोंगरीडीह पंप हाउस के माध्यम से वार्ड क्रमांक 4 ,5 एवं 6 वार्ड में पानी पहुंचती है लेकिन बड़ा नगर पंचायत एवं ज्यादा आबादी होने के कारण हमेशा पानी की समस्या बनी रहती है नगर वासियों को फिल्टर प्लांट से सुचारू रूप से पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है

धान तौल में किसानों से ज्यादा और स्टेक के धान में कम पाए जाने पर प्रबंधक को नोटिस

सारंगढ़ बिलाईगढ़। सारंगढ़ एसडीएम आईएएस वासु जैन गुरुवार की रात बरमकेला ब्लॉक के ग्राम कंठीपाली के धान खरीदी केन्द्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस केंद्र में किसानों से तौल किए गए धान बोरी में 2 किलो ज्यादा धान और भंडारित (स्टेक) किए गए धान को तौलाया गया तो धान बोरी में 3 से 4 किलो कम धान पाया गया। एसडीएम श्री जैन ने किसानों से इस संबंध में बातचीत किया और इसका पंचनामा तैयार किया गया। एसडीएम ने इसमें जांच के लिए समिति प्रबंधक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और सहायक पंजीयक को कार्यवाही के लिए भी पत्र लिखा है। इस अवसर पर तहसीलदार श्री आयुष तिवारी उपस्थित थे।

लेंधरा छोटे के रामनामी भजन मेला स्थल का कलेक्टर श्री चौहान ने किया अवलोकन

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर श्री के एल चौहान ने सारंगढ़ और कोसीर के मध्य ग्राम लेंधरा छोटे के रामनामी भजन मेला स्थल का अवलोकन किया। श्री चौहान ने स्थल में आवश्यक व्यवस्था बिजली, पानी, अस्थाई टेंट आदि व्यवस्था के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर शिवकुमारी चौहान, एसडीएम सारंगढ़ वासु जैन, नोडल अधिकारी हरिशंकर चौहान, जिला शिक्षा अधिकारी एस.एन. भगत, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास आशीष बैनर्जी, कार्यपालन अभियंता विद्युत नरेन्द्र नायक, पीएचई कार्यपालन अभियंता कमल कंवर, तहसीलदारगण नेत्रप्रभा सिदार, कोमल साहू, रूपाली मेश्राम आदि उपस्थित थे।

विशवासपुर के निर्माणाधीन राधा माधव मंदिर पहुंचे वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी

सारंगढ़ बिलाईगढ़। राज्य शासन के वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी जिले के सरिया क्षेत्र के ग्राम विश्वासपुर के पहाड़ पर स्थित निर्माणाधीन राधा माधव मंदिर स्थल पहुंचे। इस अवसर पर गुरु नरसिंह दास, समिति के अध्यक्ष कुशल उर्फ रघुनाथ पटेल संरक्षक मोहन पटेल ने श्री ओपी चौधरी और जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया। मंदिर समिति के संरक्षक मोहन पटेल ने समिति की ओर से और जन सहयोग से किये गए कार्यों से अवगत कराया और वित्त मंत्री ओपी चौधरी से मंदिर के विकास हेतु आशीर्वाद बनाये रखने का निवेदन किया। इस मौके पर श्री चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि राधा माधव मंदिर एवं परिसर की विकास हेतु समिति के द्वारा किया गया कार्य सराहनीय रहा है। इस अवसर पर

कलेक्टर जनदर्शन बना, नागरिकों के लिए अपनी बात रखने का उचित माध्यम

मोहला। कलेक्टर जनदर्शन आम नागरिकों के लिए एक उचित प्लेटफार्म साबित हो रहा है। जहां कोई भी आम नागरिक उपस्थित होकर सीधे कलेक्टर से भेंटकर बेबाकी के साथ अपनी समस्या को रख रहे हैं। जिले के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों से आये ग्रामीणजन अपनी समस्या से संबंधित आवेदन कलेक्टर को प्रेषित कर रहे हैं। कलेक्टर श्री एस जयवर्धन आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुनने के साथ ही संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का निराकरण प्राथमिकता के साथ करने के निर्देश दिये है। कलेक्टर जनदर्शन में आज 8 आवेदन प्राप्त हुये। कलेक्टर जनदर्शन में आज ग्राम पंचायत भुर्साटोला निवासी कुंवरबती ने ग्राम पंचायत धोबेदंड से आश्रित ग्राम भुर्साटोला में रोड एवं पुल पुलिया निर्माण करने संबंधी आवेदन प्रेषित किया है। ग्राम पंचायत सांगली के श्री बंशीलाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने संबंधी आवेदन प्रेषित किया है। कलेक्टर ने आज प्राप्त आवेदनों पर उचित निराकरण करने के संबंध में अधिकारियों को निर्देशित किया है।

शासन से प्राप्त पत्रों का जवाबदेही से करें निराकरण-कलेक्टर

मोहला। कलेक्टर श्री एस जयवर्धन ने समय सीमा की बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्य शासन से प्राप्त पत्रों को जवाबदेही पूर्वक निराकरण करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि समय-समय पर राज्य शासन द्वारा निर्देशन पत्र प्राप्त होते हैं। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि शासन द्वारा दिये गये निर्देशानुसार प्राप्त पत्रों का निराकरण किया जाना अति आवश्यक है। सभी अधिकारियों को जवाबदेही पूर्वक निराकरण करने के निर्देश दिये गये हैं। कलेक्टर ने समय सीमा की बैठक में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि हितग्राहियों का योजना अंतर्गत पंजीयन किया गया है, पंजीकृत सभी हितग्राहियों के लिए ऋण स्वीकृति प्राथमिकता से करें। कलेक्टर ने बैठक में योजना अंतर्गत हितग्राहियो के लिए ऋण स्वीकृति में धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर की।

कलेक्टर ने स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा करते हुए कहा कि व्यक्तिगत एवं सामुदायिक शौचालय निर्माण कार्य में अपेक्षित प्रगति लाये। उन्होंने विकासखंडो के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना को प्राथमिकता में लेते हुए क्रियान्वयन करें। समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभिन्न योजनाओ, सेवाओं व कार्यक्रमों के अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शीघ्र ही पूर्ण कराये। कलेक्टर ने बैठक में स्पष्ट निर्दिशित किया कि समय सीमा में निर्माण कार्यों को पूर्ण नहीं करने पर विभागीय अधिकारी पर जवाबदेही तय किया जायेगा। बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि विभिन्न योजनाओं, सेवाओं और कार्यक्रमों के अंतर्गत विभागों को राशि जारी किया जाता हैं। प्राप्त राशि का सदुपयोग करते हुए मंशा अनुसार निर्माण कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिये गये हैं। कलेक्टर ने बैठक में लंबित पत्रों की समीक्षा करते हुए कहा कि लंबित पत्रों का शीघ्र निराकरण करें। समय सीमा के बाहर लंबित पत्रों पर उन्होंने अधिकारियों से इस संबंध में चर्चा कर लंबित रहने के

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ''परीक्षा पे चर्चा'' कार्यक्रम को कलेक्टर अग्रवाल ने भी सुना

गरियाबंद। प्रधानमंत्री भारत शासन के वार्षिक कार्यक्रम ''परीक्षा पे चर्चा'' के सातवें संस्करण का आयोजन आज नई दिल्ली के भारत मंडपम से किया गया, जिसका सीधा प्रसारण पूरे भारत वर्ष में किया गया। जिसमें प्रसारण को देखने के साथ अन्य रोचक कार्यक्रम भी आयोजित किये गए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ऑनलाइन परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का आयोजन जिला मुख्यालय गरियाबंद के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में किया गया। इसके आलावा जिले के विभिन्न स्कूलों में भी प्रधानमंत्री के परीक्षा पे चर्चा का ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजन किया गया। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय गरियाबंद में नगर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र सोनटेके, कलेक्टर श्री दीपक कुमार अग्रवाल, एसडीएम श्री विशाल महाराणा अन्य गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, जिला शिक्षा अधिकारी श्री रमेश निषाद, डीएमसी श्री के.सी नायक सहित अन्य स्कूलों के माध्यमिक और हायर सेकेण्डरी के विद्यार्थीगण और पालकगणों ने परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम को बड़े उत्साहपूर्वक सुना।

प्रधानमंत्री ने परीक्षा पे चर्चा 2024 के दौरान छात्राएं शिक्षकों और अभिभावकों से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने स्कूली बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हमारे बच्चों में लचीलापन पैदा करना और उन्हें दबावों से निपटने में मदद करना महत्वपूर्ण है। छात्रों की चुनौतियों का समाधान अभिभावकों के साथ-साथ शिक्षकों को भी सामूहिक रूप से करना चाहिए। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा छात्रों के विकास के लिए शुभ संकेत है। उन्होंने कहा कि शिक्षक नौकरी की भूमिका में नहीं हैं बल्कि वे छात्रों के जीवन को संवारने की जिम्मेदारी निभाते हैं। माता-पिता को अपने बच्चों के रिपोर्ट कार्ड को उनका विजिटिंग कार्ड नहीं बनाना चाहिए। छात्रों और शिक्षकों के बीच का बंधन पाठ्यक्रम और पाठ्यचर्या से परे होना चाहिए। अपने बच्चों के बीच प्रतिस्पर्धा और प्रतिद्वंद्विता के बीज कभी न बोएं। बल्कि भाई-बहनों को एक.दूसरे के लिए प्रेरणा बनना चाहिए।

बेदाग छवि के नेता हैं विष्णुदेव साय

छत्तीसगढ़ियों की उम्मीदों पर उतरेंगे खरे

आदिवासी बाहुल्य प्रदेश 'छत्तीसगढ़' की कमान आदिवासी नेता विष्णुदेव साय को सौंपे जाने का जबसे सार्वजनिक ऐलान हुआ है, छत्तीसगढ़िया फूले नहीं समा रहे हैं। खुश होना वैसे बनता भी है, आखिर इतने वर्षों बाद उनकी ख्वाहिशें पूरी जो हुई हैं।

स्थानीय लोग शुरू से चाहते थे कि कोई आदिवासी समाज का व्यक्ति ही प्रदेश का मुख्यमंत्री बने। ऐसा व्यक्ति जो 33 फीसदी आदिवासी समाज का चहेता हो और सामाजिक समूह को लेकर साथ चले। लंबे राजनीतिक अनुभव के अलावा पहचान जमीनी स्तर की हो। ऐसा राजनेता जो उनके बीच सदैव रहा हो। फिलहाल, ये सभी खूबियां विष्णुदेव साय में आकर सिमट जाती हैं। विष्णुदेव प्रदेश के सर्वमान्य नेताओं में गिने जाते हैं। यही कारण है कि आदिवासी समुदाय चाहे कांगेस से ताल्लुक रखता हो, या अन्य किसी और सियासी दल से, सभी विष्णुदेव की नियुक्ति से खुश हैं। छत्तीसगढ़ नक्सलवाद से जकड़ा हुआ है, सभी चाहते हैं कि उन बंधक बेड़ियों से उन्हें कोई मुक्त करवाए।

विष्णुदेव बेदाग और ईमानदार नेता हैं। पंचायत से लेकर केंद्र तक की महत्वपूर्ण सियासी जिम्मेदारियां उन्होंने संभाली हुई हैं। साय बेशक सांसद बनकर केंद्र की राजनीति में पहुंच गए हों लेकिन उनका जुड़ाव स्थानीय स्तर पर कभी कम नहीं हुआ। गांव-कस्बों की टूटी नल-नालियों की परवाह हमेशा करते रहे। केंद्रीय मंत्री भी बने, लेकिन उनके भीतर से ग्राम प्रधान कभी नहीं निकला? वह इसलिए क्योंकि उनकी राजनीति की शुरुआत ही ग्राम प्रधानी से हुई। निश्चित रूप से साय जैसे जमीनी नेता अपने क्षेत्र, समुदाय और प्रदेश में नया इंकलाब लिखने का माद्दा रखते हैं। निश्चित रूप से वह अपने प्रयासों में सफल होने की कोशिश करेंगे। प्रदेश पर इस वक्त करीब 82,125 करोड़ रुपये का कर्ज है। इसके सिवाए महंगाई-बेरोजारी की स्थिति से तो सभी वाकिफ हैं ही, इन सभी चुनौतियों से भी विष्णुदेव को बड़े साहस से लड़ना होगा। हालांकि उन्हें केंद्र सरकार का साथ भरपूर मिलेगा क्योंकि डबल इंजन की सरकार में प्रयासों में गति आना स्वाभाविक होता है।

बहरहाल, छत्तीसगढ़ की 33 फीसदी आदिवासी समुदाय के लिए विष्णुदेव मात्र मुख्यमंत्री ही नहीं बनेंगे, बल्कि वो उनके उम्मीदों को पूरा करने वाले नायक भी बनेंगे। जो प्रदेश गठन के बाद अभी तक पूरी नहीं हुई। प्रदेशवासियों की शुरू से मांग रही है कि उनका मुख्यमंत्री उन्हीं के बीच का हो, ताकि उनकी जरूरतों और समृद्ध विरासतों को आगे बढ़ा सके। ऐसे लक्ष्यों को पूरा करने में विष्णुदेव फिलहाल फिट बैठते दिखाई पड़ते हैं। क्योंकि उन्होंने अपने राजनीति कॅरियर से लोगों के बीच वैसी ही छाप छोड़ी है। तभी, चुनाव कैंपेन के दौरान गृहमंत्री अमित शाह ने वोटरों को इशारा भी किया था कि विष्णुदेव को बड़ा आदमी बनाएंगे, उनके लिए कुछ बड़ा सोचा हुआ है। हालांकि, तब लोगों ने उनकी बात को ज्यादा गंभीरता से नहीं लिया था, सोचा कि चुनावों में नेता बहुत कुछ बोलकर चले जाते हैं। पर, इतना नहीं भूलना चाहिए कि नरेंद्र मोदी-अमित शाह अलग किस्म की गारंटी देते हैं। जहां से लोग सोचना बंद कर देते हैं, ये जोड़ी वहीं से सोचना आरंभ करती है। श्रीमती द्रौपदी मुमू को जब राष्ट्रपति का उम्मीदवार घोषित किया गया था, तभी आदिवासी समाज समझ गया था कि कोई तो है जो उनके विषय में सोचता है।

ये भी तय है कि छत्तीसगढ़ को आदिवासी मुख्यमंत्री देने के बाद मोदी-शाह की राजनीति लड़ाई यहीं नहीं थमेगी। अगली फाइट ओडिशा के लिए शुरू होगी, ओडिशा भी आदिवासी बाहुल्य प्रदेश है। छत्तीसगढ़ के बाद वहां के लोगों को भी आदिवासी मुख्यमंत्री देने का संदेश दिया जाएगा। क्योंकि वहां भी चुनाव नजदीक हैं। जहां तक विष्णुदेव साय की बात है तो छत्तीसगढ़ की राजनीति में वो सम्मानीय चेहरा हैं। अजित जोगी के बाद लोग साय से बहुत उम्मीदें करते हैं। क्योंकि साय चार मर्तबा सांसद, दो बार विधायक, केंद्रीय राज्यमंत्री और दो-दो बार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व संभाल चुके हैं। इसके अलावा उनके पास संगठनात्मक कार्य का लंबा-चौड़ा अनुभव भी है। इस बार वो कुनकुरी विधानसभा से निर्वाचित हुए हैं। जहां उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार को अच्छे मार्जिन से मात दी। अपने दम पर जिले की सभी सीटें भाजपा को जितवाईं। जबकि, कुनकुरी में अभी तक कांग्रेस की तूती बोलती रही थी।

बहरहाल, प्रदेश के नए मुख्यमंत्री बनने जा रहे विष्णुदेव साय से भाजपा का शीर्ष नेतृत्व कभी नाराज भी हुआ था। नाराजगी इस कदर थी कि उन्हें प्रदेश अध्यक्षी से भी हटा दिया गया था। पर, बावजूद इसके उनकी निष्ठा पार्टी के प्रति जरा भी कम नहीं हुई थी। साय लगातार पार्टी गतिविधियों में सक्रिय रहे, संगठन को मजबूत करते गए, नए लोगों को भाजपा से जोड़ते रहे। धीरे-धीरे उन्होंने अपने क्षेत्र में ऐसा संगठन खड़ा किया कि मौजूदा चुनाव में दूसरे दलों का सूपड़ा तक साफ करवा दिया। वैसे, अगर उनके शुरुआती राजनीतिक जीवन पर नजर डालें तो आगाज 1989 में हुआ। सबसे पहले वह अपने ग्राम के सरपंच बने, उसी दौरान उनका संघ से जुड़ाव हुआ, जिले, कस्बों व गांवों में शाखाएं स्थापित करवाईं। प्रचारक की भूमिका में आए, धीरे-धीरे संघ के बड़े नेताओं की नजरों में आ गए। संघ का प्रचार उन्होंने आदिवासियों के बीच में भी जबरदस्त किया। कई नक्सलियों का हृदय परिवर्तन कर भाजपा और संघ के प्रति प्यार पैदा किया। यही कारण है कि नक्सल प्रभावित सोच वाले व्यक्तियों ने भी इस बार दिल खोलकर भाजपा को वोट किया।

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद बड़ा मुद्दा है। साय के मुख्यमंत्री बनने के बाद कितना बदलाव आएगा, इस पर अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। लेकिन साय को उम्मीद है कि उन्हें भटके रास्तों से वापस सही रास्तों पर लाने का प्रयास करेंगे। साय पर भाजपा ने पहली दफे भरोसा करके 1990 में 'तपकरा' विधानसभा से उतारा था, जहां उन्होंने जीत हासिल की थी। इसके बाद विष्णुदेव साय रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र से लगातार तीन बार के सांसद चुने गए। 2014 में वो मोदी-शाह के प्रिय बन गए। उनके संबंध अन्य दलों के नेताओं से भी मधुर हैं। सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास करते हैं। फिलहाल, मुख्यमंत्री के रूप में उनका पहला वर्ष काफी चुनौतियों से भरा होगा। क्योंकि चुनावों में जो वादे किए हैं उन्हें जमीन पर उतारना होगा। हालांकि मुख्यमंत्री पद के लिए नाम घोषित होने के बाद उन्होंने सबसे पहले चुनावी वादों को पूरा करने का ही प्रण लिया है। किसानों की समस्याएं, सरकारी योजनाओं को लागू करना, शिक्षा, सुरक्षा और चिकित्सा ऐसे मसले हैं जिनको अगर अन्य राज्यों से तुलना करें, तो छत्तीसगढ़ अब भी काफी पिछड़ा है। इसके अलावा सबसे बड़ी परीक्षा तो नक्सलवाद को कम करने की होगी। खत्म करना तो आसान नहीं होगा। कम हो जाए, वो भी गनीमत रहेगी। कुल मिलाकर छत्तीसगढ़ियों को नए मुख्यमंत्री से हजारों उम्मीदें रहेंगी, देखने वाली बात होगी कि साय देशवासियों की उम्मीदों पर कितना खरा उतरते हैं।

छोटी-छोटी लापरवाही से बचा जाए तो, बच जाएंगे अनमोल जीवन : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर में आयोजित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा लघु फिल्म महोत्सव में शामिल हुए। दो दिवसीय राष्ट्रीय लघु फिल्म महोत्सव का आयोजन रायपुर के मेडिकल कॉलेज स्थित अटल बिहारी वाजपेयी ऑडिटोरियम में किया गया है। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर सड़क सुरक्षा पर बनी लघु फिल्म 'फाइनल्स' तथा 'गलती मोर सजा तोर' भी देखी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा लघु फिल्म महोत्सव में लघु फिल्मों के माध्यम से बताया गया कि छोटी-छोटी लापरवाहियों से एक अनमोल जीवन चला जाता है। इसे बचाया जा सकता है, यदि ट्रैफिक के नियमों का पूरी तरह से पालन किया जाए। मैंने यह फिल्में देखी और यातायात विभाग ने क्रिएटिव माध्यम से इन लापरवाहियों को बताया है, जिसका बहुत अच्छा असर दर्शकों पर पड़ेगा और वे ट्रैफिक से संबंधित सावधानियां बरतेंगे। यातायात के नियमों का पालन नहीं करने के कारण लोग असमय ही काल के ग्रास में चले जाते है। यातायात विभाग और पुलिस विभाग यातायात नियमों के पालन सड़क सुरक्षा के उपायों के प्रति लोगों को जागरूक करने का कार्य तो लगातार करते ही रहते हैं, अभियान भी चलाते हैं। लेकिन हमें स्वयं भी सड़क सुरक्षा के उपाय का कड़ाई के साथ पालन करना चाहिए। सभी का जीवन बहुत कीमती हैं, छोटी-छोटी लापरवाही से सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और इसमें कई लोगों की मृत्यु हो जाती है। कई परिवार उजड़ जाते हैं।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव, सांसद श्री सुनील सोनी, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, श्री अनुज शर्मा और विधायक श्री मोतीलाल साहू, परिवहन विभाग के सचिव श्री एस. प्रकाश, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक द्वय श्री प्रदीप गुप्ता और श्री दीपांशु काबरा, जनसंपर्क आयुक्त श्री मयंक श्रीवास्तव भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने सड़क सुरक्षा जागरूकता के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में राष्ट्रीय लघु फिल्म महोत्सव के आयोजन के लिए यातायात विभाग की सराहना की।

कार्यक्रम के दौरान दिखाई गई लघु फिल्मों की क्लिपिंग में बड़े प्रभावित तरीकों से छोटी-छोटी लापरवाहियों के दर्दनाक परिणाम को दिखाया गया है। यह फिल्में लोगों को यातायात और सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करेंगी। मुख्यमंत्री ने ड्राइविंग के दौरान हेलमेट लगाने, मोबाइल का उपयोग न करने और नशा करके गाड़ी न चलाने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

उपमुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने कहा कि आज गाड़ियों की संख्या में वृद्धि हुई है। सड़क दुर्घटनाएं भी बढ़ी है। सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि आज दुनिया में चिंता का बड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी लापरवाही के परिणाम बहुत गंभीर होते हैं। कई बार दुर्घटना पीड़ित का जीवन बोझ बन जाता है। उन्होंने कहा कि देशभक्ति के लिए सीमा पर जाकर लड़ने की ही आवश्यकता नहीं है, यातायात नियमों का पालन करें और दूसरे लोगों को भी इसके लिए जागरूक करें। हम सब मिलकर सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और आदर्श तथा देशभक्त नागरिक होने का परिचय दें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर यातायात संदर्शिका और पोस्टर का विमोचन किया।

श्रीराम के आदर्शों पर चलकर संवारेंगे छत्तीसगढ़- साय

माँ शबरी के धैर्य और भक्ति के आगे हम सभी नतमस्तक

शिवरीनारायण। पूरे राष्ट्र और दुनिया के सबसे ऐतिहासिक समारोह श्री रामलला के प्राणप्रतिष्ठा के अवसर का अवलोकन करने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ की पवित्र भूमि में से एक शिवरीनारायण पहुँचे जहां भगवान श्रीराम ने माता शबरी के जूठे बेर खाये थे। इस जगह पर उन्होंने प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम का अवलोकन किया और अभिभूत हुए। शिवरीनारायण के नागरिकों के लिए अभिभूत करने वाले दो क्षण आये। पहला तो तब जब रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हुई। दूसरा क्षण तब आया जब माता शबरी का जिक्र प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने उद्बोधन में किया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सुदूर कुटिया में जीवन गुजारने वाली मेरी आदिवासी माँ शबरी का ध्यान आते ही अप्रतिम विश्वास जागृत होता है। माँ शबरी तो कब से कहती थी राम आयेंगे। प्रत्येक भारतीय में जन्मा यही विश्वास सक्षम भव्य भारत का आधार बनेगा। यही तो है देव से देश और राम से राष्ट्र की चेतना का विस्तार। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि श्रीराम के आदर्शों पर चलकर हम छत्तीसगढ़ संवारेंगे। उल्लेखनीय है कि श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का उल्लास पूरे प्रदेश में नजर आया, शिवरीनारायण में भी नागरिक इस पवित्र क्षण में बहुत उत्साहित दिखे।

इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में कहा कि यह हम सबके लिए यह ऐतिहासिक क्षण है कि हम अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के ऐतिहासिक क्षण के गवाह बने हैं। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर सुंदर संबोधन भी दिया है और माता शबरी के धैर्य के माध्यम से हमें सीख दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी बहुत सौभाग्यशाली हैं कि हमने श्री रामलला की प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम की संपूर्ण प्रक्रिया को विस्तार

से देखा। भगवान श्रीराम की अलौकिक बाल प्रतिमा का दर्शन हुआ। हम सब अभिभूत हुए। यह खुशी का क्षण इसलिए भी है कि हमने यह सब माता शबरी के पवित्र धाम शिवरीनारायण की पावन भूमि में देखा। एक पावन भूमि में हमने एक और पवित्र भूमि में होने वाले अद्भुत प्राण प्रतिष्ठा समारोह को देखा।

हमारे लिए यह सौभाग्य इसलिए भी बहुत बड़ा है कि छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम का ननिहाल है। माता कौशल्या की जन्मभूमि है। आज केवल भारत ही नहीं, पूरी दुनिया राममय हो गई है। दुनिया भर में सब अलग-अलग तरह से खुशियों की अभिव्यक्ति कर रहे हैं।

हमारा सौभाग्य है कि हमने अपने धान के कटोरे से भगवान के भोग के लिए सुगंधित चावल भेजा है। छत्तीसगढ़ के राईस मिलर्स ने यह चावल भेजा है। बहुत खुशी की बात है कि ननिहाल के चावल से रामलला का भोग तैयार हुआ है।

हमारे सेवाभावी डाक्टरों की टीम अयोध्या गई हुई है जो रामभक्तों के इलाज के सेवाकार्य में लगी हुई है। कल ही एक समूह और रवाना होगा जो अयोध्या धाम में 60 दिनों तक भंडारा चलाएगा। छत्तीसगढ़ में हम लोगों के लिए आज की घड़ी बहुत शुभ घड़ी है। हम श्रीराम के आदर्शों से प्रेरणा लेकर छत्तीसगढ़ को संवारने का काम करेंगे।

इस मौके पर छत्तीसगढ़ प्रभारी श्री ओम माथुर ने भी उपस्थित नागरिकों को संबोधित किया। श्री माथुर ने कहा कि आज जय श्री राम का जयघोष अयोध्या तक जाना चाहिए। शबरी माता की भूमि पर आयोजित इस पावन कार्यक्रम में उपस्थित सभी को अभिनंदन करता हूँ। हम सबका सौभाग्य है कि 500 वर्षों के त्याग, बलिदान का फल आज हमें मिला है। हमारा समाज समतापूर्ण रहा है। प्रभु राम ने कभी किसी के बीच भेद भाव नहीं किया। उन्होंने वनवासियों का आतिथ्य स्वीकार किया। यही हमारी संस्कृति है। आज हमारे लिए गौरव का दिन है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने जनसंपर्क विभाग की ओर से तैयार की गई कॉफी टेबल बुक ''हम सबके राम'' और कैलेंडर ''रामो विग्रहवान धर्मः'' का विमोचन भी किया। यह संग्रह श्रीराम के अयोध्या धाम से छत्तीसगढ़ में वनवास के दौरान की कथाओं पर आधारित है। इस दौरान महंत राजेश्री रामसुंदर दास, सांसद श्री गुहाराम अजगल्ले, पामगढ़ विधायक श्रीमती शेषराज हरवंश, जनसम्पर्क आयुक्त श्री मयंक श्रीवास्तव, संभागायुक्त बिलासपुर श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी, आईजी श्री अजय यादव, कलेक्टर श्री आकाश छिकारा, एसपी श्री विजय अग्रवाल भी मौजूद रहे।

रामनामियों ने अपना मोर मुकुट पहनाकर किया अभिनंदन

रामनाम को अपने अंग-अंग में हृदय में तथा चेतना में बसाने वाले रामनामी समुदाय के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को अपना परंपरागत मोर मुकुट पहनाकर अभिनंदन किया। उनके मोर मुकुट में राम नाम लिखा होता है। मुख्यमंत्री के साथ ही उन्होंने श्री ओम माथुर को भी मोर मुकुट पहनाया।

बच्चों को पौष्टिक भोजन और पीने का शुध्द पानी उपलब्ध कराया जाए-नेताम

बलरामपुर। आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम बलरामपुर प्रवास के दौरान विभिन्न आवासीय विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने विकासखण्ड बलरामपुर अंतर्गत ग्राम भेलवाडीह में संचालित एकलव्य और पहाड़ी कोरवा आवासीय विद्यालय का जायजा लिया और कहा कि आवासीय विद्यालयों में रह रहे बच्चों को सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही बच्चों को पौष्टिक भोजन और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने आवासीय विद्यालय में बच्चों को दी जा रही सुविधाओं सहित निर्माणाधीन भवनों, खेल मैदान तथा सामग्री की उपलब्धता की जानकारी भी ली। मंत्री श्री नेताम सवेरे छात्रावासों का निरीक्षण करने विकासखण्ड बलरामपुर के ग्राम भेलवाडीह पहुंचे थे। उन्होंने यहां शासन द्वारा संचालित एकलव्य और पहाड़ी कोरवा आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने आवासीय विद्यालयों के छात्रावासों में भोजन व्यवस्था तथा पीने के पानी की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बच्चों को शुध्द और पौष्टिक भोजन के साथ-साथ पीने का साफ पानी उपलब्ध कराएं। इस दौरान उन्होंने बच्चों से चर्चा कर पढ़ाई-लिखाई साथ ही अध्ययन हेतु पुस्तक की उपलब्धता, शिक्षा की गुणवत्ता, खेल सामग्री की उपलब्धता की जानकारी ली। मंत्री श्री नेताम ने भ्रमण के दौरान छात्रावास में बनाए जा रहे मध्यान्ह भोजन का अवलोकन किया और निर्धारित मेन्यू के अनुरूप भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश अधिकारियों को दिये। उन्होंने पुस्तकालय, बच्चों के स्वास्थ्य व्यवस्था हेतु डिस्पेंसरी रूम में रखे गए दवाईयों के साथ ही छात्रावास शयन कक्ष का भी जायजा लिया और छात्रावास परिसर को पूर्ण रूप से साफ रखने के निर्देश दिए।

अवैध कॉलोनी एवं प्लाटिंग की रजिस्ट्री पर तत्काल लगाएं रोक: राजस्व मंत्री वर्मा

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा ने संयुक्त जिला कार्यालय बलौदाबाजार भाटापारा में जिले के विभिन्न विभागों के कामकाज की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान नगर पालिका परिषद अध्यक्ष चित्तावर जायसवाल, कलेक्टर चंदन कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दीपक झा, डीएफओ मयंक अग्रवाल उपस्थित रहे। श्री वर्मा ने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया। लगभग साढ़े 3 घंटे चली इस बैठक में उन्होंने जिले में चल रहे अवैध कॉलोनी निर्माण एवं उसके प्लाटिंग की रजिस्ट्री पर तत्काल रोक लगाने के निर्देश कलेक्टर को दिए। श्री वर्मा ने राजस्व विभाग की

समीक्षा करते हुए राजस्व के सभी लंबित प्रकरणों को निर्धारित समय सीमा में निराकृत करने को कहा। जिले में स्वास्थ्य, शिक्षा एवं पेयजल हमारी पहली प्राथमिकता है। श्री वर्मा ने जिले में स्वास्थ्य सुविधा दुरूस्त करने के लिए सीएचएमओ एवं सिविल सर्जन को निर्देश दिए। श्री वर्मा ने अवैध शराब विक्रय, सट्टा एवं नशाखोरी पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश पुलिस अधीक्षक को दिए। उन्होंने लोगों को सड़क दुर्घटना से बचाने के लिए हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित करने की बात कही। कलेक्टर चंदन कुमार ने मंत्री को विश्वास दिलाया कि आने वाले दिनों में कार्ययोजना बनाकर राजस्व के लंबित प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ की गर्भवती महिलाओं में बढ़ रहा है डायबिटीज का खतरा, सिम्स में हुआ शोध

बिलासपुर। बिलासपुर सहित राज्य में महिलाओं में गर्भावस्था के दौरान डायबिटीज का खतरा बढ़ रहा है।छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) बिलासपुर के बायोकेमिस्ट्री विभाग और स्त्री रोग विभाग के संयुक्त शोध में यह तथ्य प्रकाश में आया है।

आइये जाने क्या होता है गर्भावस्था मधुमेह

चिकित्सकों की भाषा में इसे जेस्टेशनल डायबिटीज मेलिटस के नाम से जाना जाता है। गर्भावस्था के आरम्भ अथवा मध्य में ग्लूकोस का मेटाबोलिज्म सम्पूर्ण रूप से नहीं हो पाता है। इस स्थिति को जेस्टेशनल ग्लूकोज़ इम्पेयरमेंट कहते हैं। यही स्थिति आगे चलकर गर्भावस्था में होने वाले डायबिटीज मेलिटस में परिवर्तित हो जाती है। मातृत्व स्वास्थ्य विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की रिपोर्ट के अनुसार भारत में गर्भावस्था के दौरान जेस्टेशनल मधुमेह से ग्रसित स्त्रियों का प्रतिशत 10 से 14.3 प्रतिशत है, जो की वैश्विक प्रतिशत से बहुत अधिक है। सिम्स में बायोकेमिस्ट्री विभाग में हुए शोध में भी चौकाने वाले आंकड़े आये हैं।

डॉ प्रशांत निगम ने विभाग द्वारा किये गए पॉयलेट स्टडी में ही 600 महिलाओं में से 90 महिलाओं में जेस्टेशनल डायबिटीज की स्क्रीनिंग हेतु ओरल ग्लूकोस टॉलरेंस टेस्ट के परिणाम के आधार पर निर्धारित मानक से ज्यादा ग्लूकोज़ पाया गया। सिम्स आने वाली गर्भवती महिलाओं में उक्त पायलट स्टडी के अनुसार 15व महिलायें जेस्टेशनल डायबिटीज से पीड़ित पाई गई हैं, व्यापक शोध करने पर यह आंकड़ा कम या ज्यादा हो सकता है।

स्त्री रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ संगीता जोगी ने बताया की यदि जेस्टेशनल डायबिटीज का इलाज़ न किया जाए तो माँ एवं बच्चे दोनों को खतरा हो सकता है। इसीलिए सभी गर्भवती स्त्रियों को अनिवार्यत: यह जांच करानी चाहिए। यह जांच बहुत सरल एवं सुगम है। सिम्स में यह जांच नियमित रूप से की जा रही है। जेस्टेशनल डायबिटीज का उपचार न कराने पर जहाँ माँ के गर्भाशय में असामान्य रूप से अधिक अम्नियोटिक द्रव बन सकता है।वहीं प्री-इक्लैम्प्सिया, प्रदीर्घ अथवा बाधित प्रसव (प्रोलोंग अथवा ऑब्स्ट्रक्टेड प्रसव) या पोस्टपार्टम हेमोरेज जैसी विभिन्न घातक स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। यही नहीं गर्भस्थ शिशु का गर्भपात, गर्भावस्था में मृत्यु, जन्मजात विकृति, श्वसन सम्बन्धी कारकों से पीड़ित हो सकता है। नवजात शिशु को जन्म के उपरान्त भी खतरा रहता है।

गर्भावस्था मधुमेह के प्रमुख कारण एवं निदान

जेस्टेशनल डायबिटीज के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें मुख्य कारण अनुवांशिक कारक, अधिक उम्र में गर्भाधान करना, मोटापा, पोषक आहार का सेवन न करना, निष्क्रिय जीवन शैली, पॉलीसिस्टिक ओवेरी सिंड्रोम, गर्भावस्था में उचित देखभाल न करना एवं तनाव सम्मिलित है। साथ ही सही समय पर जांच न कराना भी एक प्रमुख कारण है। जाँच उपरान्त उपचार हेतु किसी भी एंटीनेटल केयर सेण्टर अथवा चिकित्सा महाविद्यालय में अवश्य जाएँ। स्त्रीरोग विभाग, सिम्स में भी उपचार हेतु समस्त सुविधाएँ उपलब्ध हैं। अधिष्ठाता सिम्स डॉ के के सहारे ने बायोकेमिस्ट्री एवं स्त्रीरोग विभाग के चिकित्सकों को इस पायलेट स्टडी के लिए शुभकामनायें दी एवं विस्तृत शोध करने हेतु प्रेरित किया।

शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने कलेक्टर-एसपी उतरे सड़कों पर

बिलासपुर। कलेक्टर श्री अवनीश शरण एवं पुलिस अधीक्षक श्री संतोष सिंह ने आज शहर की यातायात व्यवस्था दुरूस्त करने शहर के प्रमुख मार्गों एवं चौक-चौराहों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ट्रैफिक व्यवस्था, पार्किंग और गुमटियों को लेकर जरूरी निर्देश दिए। कलेक्टर ने तकरीबन दो घंटे तक पैदल चलकर यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। शहर के लोगों को सुगम यातायात की सुविधा मिल सके इसके लिए पुलिस यातायात, नगर निगम और परिवहन विभाग को मिलकर कार्य करने कहा।

कलेक्टर और एसपी ने सबसे पहले बृहस्पति बाजार का निरीक्षण किया। उन्होंने फुटपाथ और सड़क पर सब्जी की दुकान लगाने वालों की वैकल्पिक व्यवस्था होते तक पार्किंग की जगह छोड़कर उनके बैठने के लिए मार्किंग करने कहा। बृहस्पति बाजार के अंदर सब्जी लगाने वाले व्यापारियों को भी निर्धारित स्थान में बैठाने के निर्देश दिए। क्षमता कितने की है और कितने लोग व्यापार कर रहे हैं इसकी भी जांच करने कहा। उन्होंने बृहस्पति बाजार के लिए मल्टीस्टोरी का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने इसके बाद सिम्स मार्ग का निरीक्षण कर मार्ग को कब्जा मुक्त कराने कहा, जिससे मरीजों एवं उनके परिजनों को अस्पताल आने-जाने में हो रही परेशानी दूर हो। सिम्स के सामने स्थित ऐसे दुकानों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए जिनमें पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। सिम्स मार्ग में सर्वसंबंधितों की सहमति से मार्ग चौड़ीकरण का प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने सिम्स अस्पताल के बाहर बेतरतीब खड़े एंबुलेंस की पार्किंग रिवर व्यू रोड में करने के निर्देश दिए। इसी तरह सदर बाजार से गोल बाजार, कोतवाली चौक का अवलोकन कर व्यापारियों के सहयोग से ट्रैफिक का दबाव नियंत्रित करने कहा। कलेक्टर ने शनिचरी बाजार का भी जायजा लिया। उन्होंने शनिचरी आने वाले लोगों के लिए पार्किंग लाल बहादुर शास्त्री स्कूल में निर्धारित करने के निर्देश दिए। वाल्मिकी चौक से ज्वाली पुल तक सड़क पर लगने वाले जाम से अत्यधिक दिक्कत होती है। कलेक्टर ने इसका पैदल निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि ज्वाली नाले पर बनाए सड़क की और टैफ्रिक डायवर्ट करें। उन्होंने व्यापारियों को इसके लिए समझाइश देने कहा। कलेक्टर ने चौक-चौराहों पर स्थित ट्रांसफार्मर को अन्यत्र शिफ्ट करने का प्रस्ताव बनाने के निर्देश विद्युत विभाग को दिए है ताकि ट्रैफिक की व्यवस्था सुचारू हो सके। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी व्यापारी अपना सामान सड़कों पर नहीं रखेंगे। कलेक्टर ने पुराना हाईकोर्ट के सामने बेसमेंट का व्यवसायिक उपयोग करने वालों की पूरी जांच कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश नगर निगम के अधिकारियों को दिए है।

आज भी राम और श्याम पैदा होगा, मां को कौशल्या और यशोदा बनना होगा-वर्मा

सारंगढ़ बिलाईगढ़। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, खेलकूद एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा जिले के नगर पंचायत भटगांव प्रवास पर रहे, जहां निजी विद्यालय परिवार व नगरवासियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के निजी विद्यालय लोट्स पब्लिक स्कूल की ओर से आठवें वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया, जहां मंत्री टंकराम वर्मा बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और कार्यक्रम में शिरकत की।

बच्चो ने सुंदर अपनी अपनी प्रस्तुतियां दी। मंत्री श्री वर्मा ने मंच में लोगों को संबोधित करते हुए भटगांव नगर को धर्म की नगरी बताते हुये अयोध्या में हुई रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की जिक्र किया और कहा कि हमारे पुरखों और सनातनियों ने जो रामलला को अयोध्या लाने का सपना देखा, आज वो पूर्ण हो गया है। पूरा भारत राममय हो गया है।

मंत्री ने उद्बोधन शायराना अंदाज में कहा कि रावण का स्वयं वध करूंगा, कहने वाला राम जगे, दुष्ट शेष एक न बचेगा, कहने वाला श्याम जगे, मैं घर घर में राम नाम का अलख जगाने आया हूं। हे भारत के राम जगो, मैं तुम्हें जगाने आया हूं।

बच्चे बहुत प्रतिभावान होते हैं। हर बच्चे में प्रतिभा होती है। उसको निखारने की जरूरत होती है। हर बच्चे में, किसी में पेंटिंग किसी में संगीत की, किसी में लेखनी की, किसी में कविता की, किसी में गायन की, हर बच्चे में प्रतिभा है, उसको बाहर लाने की जरूरत है, वो काम हमारे शिक्षक निभा रहे हैं मैं सबको बधाई देता हूं। मंत्री ने एक कहानी सुनाई, एक कुम्हार मिट्टी से चिलम बना रहा था। उसके दोनों हाथ मिट्टी से गुथे थे, उस समय कुम्हारिनी आ गई। पूछी क्या बना रहे हो। चिलम, चिलम का फैशन। कुम्हारिन ने कहा तुम्हारा दिमाग खराब है। गर्मी का समय है, सुराही बनाना शुरू कर दो, खूब बिकेगा। कुम्हार का विचार बदल गया। मिट्टी से गुथे हाथ से चिलम बनाना छोड़ दिया। इस मिट्टी से उसने सुराही बनाना शुरू कर दिया।

भारी भरकम खर्चों के बाद भी कुपोषण बेकाबू ?

महासमुंद। तमाम प्रयासों के बाद भी कुपोषण के विरूद्ध कोई खास परिणाम नजर नहीं आ रहे हैं। कोरोना काल के बाद से गंभीर कुपोषण में आंशिक रूप से ही कमी आई है। जबकि, इसे जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिवर्ष लाखों रूपए खर्च किए जा रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार जिले भर में 5066 बच्चे कुपोषण से जंग लड़ रहे हैं। हालाकि, 2019 के मुकाबले इस वर्ष गंभीर कुपोषित बच्चों की संख्या में 385 की कमी आई है, पर अंतर बड़ा नहीं है। यही नहीं, बच्चों को कुपोषण से उबारने के लिए जिले में सिर्फ दो ही पोषण पुनर्वास केंद्र है। यहां 15-15 बच्चों की ही 15 दिन तक विशेष देखभाल की जाती है। नए आंकड़ों के मुताबिक जिले में कुपोषित बच्चों की संख्या 21,236 है। इसमें गंभीर कुपोषित बच्चों की संख्या 5066 है।

इन बच्चों के खान-पान सहित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए महासमुंद और सरायपाली में ही पोषण पुनर्वास केंद्र की व्यवस्था है। एक वर्ष में लगभग 700 बच्चों को ही इन केंद्रों का लाभ मिल पाता है। दोनों पुनर्वास केंद्र में 15-15 सीट हैं। इसके अलावा विकासखंड बसना, पिथौरा, बागबाहरा के गंभीर कुपोषित बच्चों को इन्हीं दोनों केंद्र में लाया जाता है। सबसे ज्यादा कुपोषित बच्चे बागबाहरा में 1124 और सरायपाली में 1027 हैं। जिले में कुल बच्चों की संख्या 81,675 है। सामान्य बच्चे 59739, मध्यम कुपोषित 16872 और कुपोषित बच्चे 5066 है। महासमुंद शहर में सबसे कम 169 ही कुपोषित है। यही नहीं जिला अस्पताल को बच्चों को सुपोषित करने के मामले में प्रदेश में प्रथम स्थान भी मिल चुका है। लेकिन, बच्चों की संख्या के हिसाब से अभी भी कम बच्चे ही लाभान्वित हो रहे हैं।

गंभीर कुपोषित बच्चों की संख्या के आधार पर यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि सुविधाएं हैं, लेकिन कम है, पोषण पुनर्वास केंद्र के माध्यम से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार भी आता है और महिलाओं को भी प्रोत्साहन राशि प्रतिदिन के हिसाब से दी जाती है। इसके बाद भी कई ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं इसका लाभ नहीं ले पाती है। पुनर्वास केंद्र में बच्चों को भर्ती कराने के लिए जिले में अन्य जिलों से अलग व्यवस्था है। यहां स्वास्थ्य विभाग की टीम जाती है और उसके बाद बच्चों का चिन्हांकन किया जाता है। फिर महिला एवं बाल विकास के माध्यम से बच्चों को भर्ती कराया जाता है। विभाग के अनुसार समय-समय पर शिविर लगाकर बच्चों की पहचान की जाती है। और पोषण पुनर्वास केंद्र में भेजा जाता है। महिला एवं बाल विकास विभाग से मिली जानकारी के अनुसार गंभीर कुपोषित बच्चों की संख्या में इस वर्ष कमी आई है। वर्ष 2018 में गंभीर कुपोषित बच्चे 5451 थे। 2023-24 में इनकी संख्या 5066 है।

पानी गया पाताल - भूजल स्तर में लगातार गिरावट

महासमुंद। गांवों में घर-घर नल कनेक्शन के जरिए शुद्ध पेयजल पहुचांने के लिए शुरू की गई जल जीवन मिशन योजना के कार्यों में भू-जल स्तर रोडा बन गया है। जिन घरों को नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं, वहां भू-जल स्तर में लगातार गिरावट से पानी नहीं पहुंच पा रहा है। इस कारण अब पानी की समस्या को दूर करने के लिए 850 नए नलकूप खनन की तैयारी की जा रही है। नलकूप खनन के बाद पानी की समस्या से मुक्ति मिल सकती है। जानकारी के मुताबिक 2021 में जल जीवन योजना शुरू हुई थी। इसके तहत गांव-गांव में पानी टंकी बनेगी। पाइप लाइन के जरिए घरों में पानी पहुंचेगा। कुल 1117 गांवों को योजना का लाभ मिलेगा। इसमें अब तक 197 गांवों में काम पूरा हो पाया है। 80 फीसदी घरों में नल कनेक्शन पहुंच चुके हैं। लेकिन, जल स्तर में गिरावट के कारण शत्-प्रतिशत घरों में पानी नहीं पहुंच पाया है।

सूत्रों के अनुसार पानी टंकी का निर्माण भी अब तक पूरा नहीं हो पाया है। करीब 1100 टंकी बनाने की योजना है। इसमें से करीब 800 टंकी ही बन पाई है। जबकि, इसी साल जल जीवन मिशन के कार्यों को पूरा करने का लक्ष्य है। लेकिन, भू-जलस्तर के कारण काम में गति नहीं आ रही है। बताया जाता है कि सरायपाली और बसना इलाके में भू-जल स्तर में लगातार गिरावट आ रही है। इस कारण जल जीवन मिशन योजना के गांवों में क्रियान्वयन के बाद भी सभी घरों में पानी नही पहुंच पा रहा है। पीएचई के सहायक अभियंता खिलेश्वर साहू ने बताया कि जल जीवन मिशन में भू-जल स्तर में लगातार गिरावट के कारण समस्या आ रही है।

जल जीवन मिशन की सफलता में बढ़ रही कठिनाई

समोदा-अछोला समूह जल प्रदाय योजना के तहत जिले के सिरपुर क्षेत्र के 48 ग्राम आते हैं। इस योजना के तहत अछोला, भोरिंग और जलकी में पानी टंकी बनेगी। इसके अलावा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, अछोला में इंटेकवेल आदि का निर्माण कार्य होगा। पाइप आ गए हैं। बिछाने का काम बाकी है। समोदा बैराज महानदी पर बना हुआ है। जलभराव की क्षमता 29 मिलियन क्यूबिक घनमीटर है।

पिछड़ रहा है जल जीवन मिशन

जल जीवन मिशन योजना के तहत बागबाहरा विखं में 37 हजार 409, बसना विखं में 34023, महासमुंद विखं में 41004, पिथौरा विखं में 41661 और सरायपाली विखं में 37825 नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। कुल एक लाख 97 हजार 922 घरों में नल कनेक्शन पहुंच गए हैं। बागबाहरा 80.02, बसना 78.39, महासमुंद 80.53, पिथौरा 80.86 और सरायपाली में 79.17 प्रतिशत नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। इसके अलावा इन्हीं दोनों विखं में जल जीवन मिशन योजना के तहत ज्यादा काम हुआ है।

अब 850 नलकूप खनन की तैयारी

जिन गांवों में जल स्तर कम होने के कारण जल जीवन मिशन योजना का लाभ लोगों को नहीं मिल रहा है, उन गांवों में 850 नए नलकूप खनन करने की योजना बनाई गई है। राज्य शासन को भेजे गए प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद टेंडर की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। नलकूप खनन के बाद गांव के लोगों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जाएगी। सरायपाली और बसना विखं में सबसे ज्यादा दिक्कत है। खनन के बाद नलकूप फेल हो रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि इस साल के अंत तक सभी घरों में नलों के जरिए पानी पहुंच जाएगा।

अडभार नगर पंचायत अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित

परिणाम घोषित होने के बाद पार्षदों ने अष्टभुजी देवी मा के किए दर्शन

सक्ती। नगर पंचायत अड़भार के अध्यक्ष श्रीमती चंद्रप्रभा गर्ग के खिलाफ 29 जनवरी सोमवार को नगर पंचायत पार्षदो द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव में वर्तमान अध्यक्ष चंद्रप्रभा गर्ग कांग्रेस को मात्र 3 मत प्राप्त हुए जबकि विपक्ष में 12 मत प्राप्त हुआ इस प्रकार से 3- 12 से नगर पंचायत अड़भार अध्यक्ष के विरुद्ध लाया गया अविश्वास प्रस्ताव पारित हो गया । पीठासीन अधिकारी ह्मस्त्रद्व मालखरौदा अरुण कुमार सोम की अध्यक्षता में यह जानकारी दी गई। मालखरौदा थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश चंद्रवंशी थाना प्रभारी मालखरौदा , चौकी प्रभारी उप निरीक्षक चिंतामणि मालाकार के द्वारा चौक चौबंद व्यवस्था कर शांतिपूर्ण मतदान कराया गया।12 पार्षदों में 8 कांग्रेस और 4 भाजपा के पार्षदों ने नगर पंचायत अड़भार की निवर्तमान अध्यक्ष एवं उनके पति के अमर्यादित व्यवहार से आक्रोशित होकर पार्षदों ने अविश्वास प्रस्ताव लाया था । पार्षदों की एकजुटता और दृढ़ प्रतिबद्धता से अविश्वास प्रस्ताव पारित हो गया।इस जीत से सत्ता पक्ष भाजपा के कार्यकर्ताओं व पार्षदों में खुशी की लहर दौड़ गई वहीं स्थानीय कांग्रेसी नेताओं ने भी अध्यक्ष की कुर्सी बचाने मंड कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई बल्की उनकी कुर्सी जाने पर कोई अफसोस भी नहीं जताया जा रहा है। बताना उचित होगा की जब प्रदेश में कांग्रेस की सत्ता थी उस समय भी एक बार अध्यक्ष चंद्रप्रभा गर्ग के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था मगर वह अविश्वास प्रस्ताव ध्वस्त हो गया था। मगर सत्ता परिवर्तन होते ही दोबारा पार्षदों के द्वारा अविश्वास प्रस्ताव लाया गया जिसमे पार्षदों को सफलता हासिल हुई। इस सूचना से पूरे नगर में हर्ष का माहौल है जगह जगह फटाके फोड़ रंग गुलाल लगा कर खुशी का इजहार कर रहे है और एक दूसरे को बधाईयां दे रहे है।विजयी पार्षदो ने इस जीत पर कहा कि सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास और सबके प्रयास से यह जीत संभव हो पाई है ।

बीमार बच्चों का हालचाल जानने सुबह पांच बजे कलेक्टर पहुंचे जिला अस्पताल

कलेक्टर के निर्देश पर बेहतर इलाज के लिए बच्चों को रातों रात सीएचसी से जिला अस्पताल किया गया

गरियाबंद। गलती से रतनजोत बीज खा लेने के बाद अस्पताल में भर्ती बच्चों को देखने कलेक्टर श्री दीपक अग्रवाल आज सुबह 5 बजे ही जिला अस्पताल पहुंच गए। कलेक्टर की संवेदनशीलता और संजीदगी कदम से सभी 7 बच्चों का बेहतर इलाज हो रहा है। साथ ही सभी बच्चों की स्थिति सामान्य है, सभी स्वस्थ्य है। उल्लेखनीय है कि बीते शाम विकासखंड मैनपुर के ग्राम बड़े गोबरा में स्थित आदिवासी बालक आश्रम के बच्चों ने शाम का खाना खाने के पश्चात गलती से रतनजोत के बीज का सेवन कर लिया था। इससे बच्चों को उल्टी और पेट दर्द संबंधी स्वास्थ्य समस्या शुरू हो गई। तबियत बिगड़ते देख बच्चों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मैनपुर में एडमिट किया गया। जहा इलाज के बाद सभी 7 बच्चो के स्वास्थ्य में

सुधार हो रहा था। कलेक्टर श्री अग्रवाल को घटना के संबंध में जानकारी प्राप्त होने पर उन्होंने तत्काल बच्चों के बेहतर इलाज करने के निर्देश चिकित्सकों को दिए। तत्पश्चात बीएमओ मैनपुर द्वारा सभी 7 बच्चो को बच्चो के डॉक्टर के देख रेख में इलाज हेतु 16 जनवरी को रात्रि में ही जिला अस्पताल गरियाबंद रिफर किया गया। जहां जिला अस्पताल सिविल सर्जन के नेतृत्व में बच्चो का इलाज तत्काल शुरू किया गया। जहां बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति सामान्य हो गई।

इसी दौरान घटना की पल पल की खबर ले रहे कलेक्टर श्री अग्रवाल ने दिन शुरू होने का इंतजार नही किया, और भोर में ही सुबह पांच बजे बच्चों का हाल चाल जानने जिला अस्पताल पहुंच गए। उन्होंने अस्पताल पहुंचते ही बच्चों के स्वास्थ्य के बारे में मौजूद डॉक्टरों से जानकारी ली। साथ ही बच्चों को दिए जा रहे बेहतर ट्रीटमेंट के बारे में भी पूछा। उन्होंने डॉक्टरों को बच्चों के बेहतर ध्यान रखने और इलाज करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने बच्चों से बड़ी तन्मयता से बात कर पूछा की बेटा उल्टी तो नही आ रही.. तबियत ठीक है..कोई परेशानी तो नहीं।

कलेक्टर ने अस्पताल में मौजूद बच्चों के परिजनों से भी बातचीत कर बच्चों के इलाज के बारे में चिंता नही करने का साहस बंधाया। इस दौरान चिकित्सकों ने बताया कि सभी 7 बच्चों की स्थिति खतरे से बाहर है, सभी एकदम सामान्य है। सिविल सर्जन ने बताया कि बेहतर और पूर्ण स्वास्थ्य निगरानी के लिए अगले 24 घंटे सभी 7 बच्चे जिला अस्पताल में डॉक्टरों की देख रेख़ में ही रहेंगे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा से जन-जन तक पहुंचाएं शासन की योजनाएं- संयुक्त सचिव

मूरा में विकसित भारत संकल्प यात्रा का लगा शिविर

रायगढ़। विकसित भारत संकल्प यात्रा का रथ खरसिया विकासखंड के मूरा ग्राम पहुंचा। यहां शिविर का निरीक्षण करने भारत सरकार के संयुक्त सचिव श्री संजय कुमार पहुंचे थे। सीईओ जिला पंचायत श्री जितेन्द्र यादव भी इस दौरान साथ रहे। संयुक्त सचिव श्री संजय कुमार शिविर में विभागों द्वारा लगाए गए स्टाल्स का निरीक्षण किया और विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों से विस्तार से जानकारी ली कि किस तरह वे योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को पहुंचा रहे हैं। संयुक्त सचिव श्री संजय कुमार ने हितग्राहियों से भी बात की और उन्हें शिविर का लगे प्रत्येक स्टॉल में जाकर योजनाओं की जानकारी लेने की बात कही। इस दौरान उन्होंने उपस्थित जनों को विकसित भारत की शपथ भी दिलाई।

इस मौके पर सीईओ जिला पंचायत श्री जितेन्द्र यादव ने बताया कि जिले के सभी विकासखंडों में विकसित भारत संकल्प यात्रा संचालित है। राज्य द्वारा जारी विभिन्न मानकों के आधार पर रायगढ़ जिला दूसरे पायदान पर है। उन्होंने उपस्थित जनों से अपील किया कि शिविर में शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी लें और पात्रतानुसार उनका लाभ भी जरूर लें।

शिविर के दौरान विभिन्न हितग्राहियों को योजनाओं के अंतर्गत दी जाने वाली सामग्री वितरित की गई। इनमें श्री चैनसिंह को आईस बॉक्स, पुष्पा सिदार को आयुष्मान कार्ड, जमुना एवं शारदा को चक्रीय निधि राशि, श्री बालक राम पटेल को स्वाईल हेल्थ कार्ड, गुलाब को ऋण पुस्तिका प्रदान किया गया।

इस दौरान कार्यक्रम में सरपंच श्रीमती विमला सिदार, उपसरपंच श्री रामकुंवर पटेल, श्री महेश साहू, श्री पुरूषोत्तम पटेल, श्री दयाशंकर दर्शन, श्री दिनेश पटेल, श्री सम्पत पटेल, श्री श्रवण देवांगन, श्री गंगाधर पटेल, श्री पदमू पटेल, श्री लीलाधर डनसेना, श्री हरिशंकर चौधरी, श्री खेम साहू, श्री मोहन गबेल, श्री मोहन मित्तल, श्री लीलाधर डनसेना, श्री श्याम सुन्दर पटेल, श्री हरिराम पटेल, श्री किशन डनसेना, श्री रवि पटेल, श्री भीष्म राज, नूतन पटेल, श्री शरद डनसेना, एसडीएम खरसिया श्री रोहित सिंह, सीईओ जनपद पंचायत श्री हिमांशु साहू सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी शामिल रहे।

बाल देखरेख संस्थानों में निवासरत सभी बच्चों का बनाए जाति प्रमाण-पत्र-कलेक्टर

रायगढ़। कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित जिला बाल संरक्षण समिति एवं सखी वन स्टाफ सेंटर के संचालन समिति की संयुक्त त्रैमासिक समीक्षा बैठक ली। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री जितेन्द्र यादव उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री गोयल ने जिला बाल संरक्षण समिति के संबंध में समीक्षा करते हुए जिले में संचालित बाल देखरेख संस्थाओं की जानकारी ली। संबंधित अधिकारी ने बताया कि जिले में कुल 8 बाल देखरेख संस्था संचालित है, जिसमें कुल 310 बच्चे निवासरत हैं। विभागीय अधिकारी ने बताया कि मिशन वात्सल्य अंतर्गत जिले में कुछ पद रिक्त हैं, जिस पर कलेक्टर श्री गोयल ने शासन से मांग संबंधी पत्र लिखने के निर्देश दिए। जिले में संचालित बाल देखरेख संस्थानों में निवासरत 297 बच्चों के जाति प्रमाण पत्र नहीं बनने पर कलेक्टर श्री गोयल ने सभी संस्थाओं के बच्चों के लिए जाति प्रमाण पत्र के आवेदन भरने हेतु बाल देखरेख संस्थाओं के स्टॉफ को जाति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन संबंधी कार्यशाला आयोजित करने के निर्देश दिए। जिससे संस्था से बच्चों के जाति प्रमाण पत्र आवेदन भरे जा सके। उन्होंने मॉनिटरिंग संबंधी निर्देश दिए ताकि आवेदनों पर की गई कार्रवाई की प्रगति की समीक्षा हो सके।

पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन स्कीम के तहत 18 बच्चों का वेब पोर्टल में अपडेट एवं बाल कल्याण समिति द्वारा समय-समय पर बच्चों का फालोअप के संबंध में जानकारी देने पर कलेक्टर श्री गोयल ने शेष एक बच्चे का अकाउंट एक सप्ताह के भीतर खोलने के निर्देश दिए। इसी प्रकार योजनांतर्गत जिन बच्चियों की उम्र 10 साल

हो चुकी है, उन्हें सुकन्या समृद्धि योजना से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। स्पॉन्सरशीप योजना अंतर्गत लाभान्वित बच्चों की समीक्षा की। जिसमें बताया गया कि जिले की 45 बच्चे लाभान्वित है कलेक्टर श्री गोयल ने जिला शिक्षा अधिकारी को इन सभी बच्चों के शाला में उपस्थित की जानकारी लेने एवं नियमित उनकी उपस्थिति की मॉनिटरिंग करवाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने किशोर न्यायालय में लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए की। इस दौरान उन्होंने बाल संप्रेक्षण में जहां जघन्य एवं छोटे अपराध वाले बच्चे रखते है ऐसे स्थानों में पर्याप्त सीसी टीवी कैमरे एवं निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सखी वन स्टॉप सेन्टर की समीक्षा करने पर सखी सेंटर द्वारा बताया गया कि सखी वन स्टाप सेंटर रायगढ़ में 10 मार्च 2017 से आज तक कुल 1601 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। जिसमें से 1573 प्रकरण निराकृत लिया गया हैं एवं 28 प्रकरण लंबित है। इसी प्रकार अब तक कुल 349 महिला एवं 129 बच्चों को आश्रय प्रदान किया गया है। साथ ही 51 प्रकरणों में पुर्नवासित किया जा चुका है। सखी सेन्टर द्वारा विधिक महिलाओं को विधिक सहायता हेतु विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा एक पैरालीगल वालंटियर सप्ताह में एक दिवस उपलब्ध होने की जानकारी पर कलेक्टर श्री गोयल ने कहा कि विधिक सहायता हेतु यह अपर्याप्त है, उन्होंने संबंधित प्राधिकरण को पत्र लिखने के निर्देश दिए। इसी प्रकार उन्होंने महिला बाल विकास से सखी वन स्टाप सेंटर के निर्माण की जानकारी ली, निर्माणधीन एजेंसी ने बताया कि उक्त कार्य राशि प्राप्त होने के पश्चात पूर्ण हो जाएगा। इस दौरान सुरक्षा हेतु पर्याप्त होम गार्ड पर चर्चा की। कलेक्टर श्री गोयल ने कहा कि सखी वन स्टॉप सेन्टर बेहतर कार्य कर रही है, जिससे दो लोगों के बीच के मन मुटाव खत्म होने के साथ ही, प्रकरण में कमी आ रही हैं, जिसमें सखी वन स्टॉप सेन्टर मध्यस्थता की महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कलेक्टर श्री गोयल ने सखी सेंटर में उपलब्ध मूलभूत आवश्यकताओं की भी जानकारी लेने पर सखी वन स्टॉप द्वारा बताया गया कि चक्रधर बल सदन द्वारा वर्किंग वूमेन हॉस्टल का संचालन किया जाता है।

संत कबीरदास जी के संदेश से छत्तीसगढ़ में रहा है प्रेम एवं सद्भाव का वातावरण :शर्मा

रायपुर। संत कबीर दास जी के संदेश का प्रभाव से ही छत्तीसगढ़ में हमेशा प्रेम और सद्भाव का वातावरण रहा है। कबीर दास जी सामाजिक कुरूतियों पर जमकर प्रहार किया और इन कुरूतियों को दूर करने के लिए मार्ग दिखाया। उनके दिखाए गए मार्ग आज भी प्रासंगिक है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा आज बेमेतरा जिले के ग्राम लोलेसरा में चल रहे चार दिवसीय पंथ श्री हुजूर उग्रनाम साहेब स्मृति में कबीर पंथ के संत समागम मेला को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल भी शामिल हुए। मंत्रीद्वय श्री शर्मा और श्री बघेल के साथ ही विधायक श्री दीपेश साहू और विधायक श्री ईश्वर साहू ने कबीर पंथ के गुरू श्री प्रकाश मुनिनाम साहेब का आशीर्वाद भी लिया।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कबीर पंथियों को संबोधित करते हुए कहा कि मेला में किसी श्री श्रद्धालु को कोई भी समस्या न हो इसके लिए प्रशासन को सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने कहा कि संत समागम मेले की ख्याति दूर-दूर तक है। बड़ी संख्या में कबीर साहब को मानने वाले अनुयायी हर साल यहां आते हैं। मेले में छत्तीसगढ़ सहित अन्य प्रदेशों से कबीर के अनुयायी बड़ी संख्या में पहुंचे हुए हैं। खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल ने कहा कि उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ ही नहीं पूरा भारत संत, महापुरूष और ऋषिमुनियों का देश है। संत कबीर ने अपनी वाणी के माध्यम से लोगों को सामाजिक समरसता का संदेश दिया। वर्तमान समय में उनके विचार और अधिक प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार समाज के सभी वर्गों के उत्थान की दिशा में कार्य कर रही है। हम सबके प्रयासों से छत्तीसगढ़ को देश का खुशहाल एवं समृध्द राज्य बनाएंगे।

खाद्य मंत्री श्री बघेल ने कहा कि बहुत ही सौभाग्य की बात है कि ग्राम लोलेसरा में भव्य मेला का आयोजन हो रहा है और जिसमें हम सभी संतों का दर्शन का उनका आशीर्वाद ले रहे हैं। संत समागम मेला का यह 10वां साल है। यह मेला पंथ श्री हुजुर उग्रनाम साहेब के स्मृति में प्रारंभ हुआ था। उन्होंने बताया कि इस मेला का शुभारंभ प्रकाशमुनि साहेब के नेतृत्व में हुआ और उन्ही की स्मृति में हम प्रत्येक वर्ष संत समागम मेले का आयोजन करते हैं। इस मेले में लगभग 3 तीन लाख श्रद्धालु सम्मिलित हुए हैं। उन्होने मेला समिति के सदस्यों को सेवाभाव के लिए बधाई एवं शुभाकामनाएं दी।

संत समागम मेले में पंथ श्री प्रकाश मुनिनाम साहब ने भी कबीर के उपदेशों की महिमा बताई। कबीरपंथ के गुरू श्री प्रकाश मुनिनाम साहेब ने कहा कि कबीर पंथ कोई धर्म या जाति नहीं, बल्कि सत्गुरु कबीर साहेब द्वारा दिखाया हुआ एक मार्ग है। इस मार्ग पर चलकर हर धर्म, जाति और मजहब का व्यक्ति अपने जीवन को सफल बना सकता है। गुरू श्री प्रकाश मुनिनाम साहेब ने कहा कि कबीरपंथ में मान्यता है कि हर व्यक्ति के अंदर ईश्वर और परमात्मा का वास है, उसी को सम्मान देते हुए साहेब बंदगी कहते है। उन्होंने कहा है कि कबीरपंथ ने सर्व मानव समाज को एक-दूसरे को जोड़ने का एक सदाचार और सत्य का मार्ग दिखाया है।

जिले के दूरस्थ नक्शल प्रभावित ग्राम कटेमा में खुला पुलिस सुरक्षा कैंप

एंटी नक्सल अभियान में मिल का पत्थर साबित होगा कटेमा का नवीन कैंप

खैरागढ़। राजनांदगांव रेंज के पुलिस महानिरीक्षक श्री राहुल भगत के निर्देशन में खैरागढ़-छुईखदान-गंडई की पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के नेतृत्व में स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर जिले के दूरस्थ अति संवेदनशील क्षेत्र ग्राम कटेमा में एंटी नक्सल अभियान की दिशा में पुलिस प्रशासन की ओर से एक बड़ी पहल देखने को मिली है। पुलिस ने तीन राज्यों के ट्राई जंक्शन पर अंततः पुलिस सुरक्षा कैंप की स्थापना कर दी है। यह पुलिस सुरक्षा कैंप अंत्योदय के संकल्प को सकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वही ग्राम कटेमा में निवासरत आम जनों के लिए मूलभूत सुविधाओं की डोर साबित होगा। महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश की सीमा पर छत्तीसगढ़ में बसे गांव कटेमा स्थापित

नवीन कैंप एंटी नक्सल अभियान में मिल का पत्थर साबित होगा। इस दौरान ग्राम कटेमा में पुलिस बल द्वारा ग्राम भ्रमण कर प्रत्येक घर में जाकर मिठाई एवं कंबल का वितरण किया गया। साथ ही ग्रामीणों की समस्याओं से भी रू-ब-रू हुए। पुलिस बल द्वारा ग्रामीणों को अश्वासन दिया गया कि पुलिस उनकी सहायता के लिए हमेशा तत्पर रहेगी। अब वे पुलिस को निर्भीक होकर अपनी समस्याओं से अवगत करा सकेगें।

तीन राज्यों की सीमा पर बसा है कटेमा

छत्तीसगढ़ के बॉर्डर में बसा कटेमा गांव महाराष्ट्र का गोंदिया और मध्यप्रदेश का बालाघाट जिला की सीमा को टच करता है। यह प्रदेश का अंतिम गांव है। इसे नक्सलियों का एमएमसी जोन भी कहा जाता है। क्योंकि तीन राज्यों की सीमा होने की वजह से नक्सलियों का आवागमन बना रहता है। इस क्षेत्र का उपयोग नक्सली एक राज्य से दूसरे राज्य में क्रासिंग प्वाईंट के रूप में करते है। पुलिस के लिए यह स्थान सामरिक दृष्टिकोण से अति महत्वपूर्ण है।

नक्सल गतिविधियों पर लगेगा अंकुश

कटेमा में पुलिस कैंप के स्थापना से नक्सलियों के गतिविधियों पर प्रभावी रूप से अंकुष लगाने में मद मिलेगी। पुलिस कैंप कटेमा को सफल अंतर्राज्यीय नक्सल विरोधी अभियान चलाये जाने हेतु लांच पैड के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। कटेमा से राजनांदगांव जिला के लगते सीमा क्षेत्र में नक्सली अपने गतिविधियों में वृध्दि कर वारदातों को अंजाम दे रहे थे। सुरक्षा कैंप स्थापना से सीमावर्ती जिला राजनांदगांव, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में नक्सली गतिविधि पर प्रभावी नियंत्रण प्राप्त होगा।

खुलेगा विकास का रास्ता

विकास कार्य निर्बाध रूप से पूर्ण किये जाने में सहायता मिलेगी। क्षेत्र की जनता एवं पुलिस के बीच आपसी समझ एवं विष्वास में वृध्दि होगी। क्षेत्र में सुरक्षा एवं शांति का वातावरण निर्मित होने से विकास कार्य में तेजी आएगी। कैंप स्थापित किये जाने के कारण नक्सली अपने प्रभाव क्षेत्र के विस्तार नहीं कर सकेंगे। शासन के जन हितैषी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचेगा।

सब्जी मंडी में अचानक खरीददारी करने पहुंचे डिप्टी सीएम विजय शर्मा

कवर्धा। सरल सहज और विनम्र व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति से हर कोई प्रभावित हो जाता है। कुछ ऐसा ही नजारा कबीरधाम जिले के पिपरिया साप्ताहिक बाजार में देखने को मिला। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा जब पैदल चलते हुए अचानक सब्जी खरीदने बाजार पहुंचे, तो कई लोगों को सहसा विश्वास ही नहीं हुआ।

उप मुख्यमंत्री बगैर किसी तामझाम के सब्जी बेचने वाली बुजुर्ग महिलाओं से बात करते हुए सब्जी की खरीददारी कर रहे थे। साप्ताहिक बाजार में उन्होंने सब्जी बेच रही बुजुर्ग महिला से कुशलक्षेम पूछा।

उन्होंने बातचीत के दौरान बताया कि उन्हें लाल, पालक, मेथी की भाजी पसंद है। उन्होंने सब्जी बेच रही बुजुर्ग महिला से देशी अमरूद भी खरीदा। तब वहां सब्जी खरीद रहे अन्य लोग उप मुख्यमंत्री की सरलता सहजता और विनम्रता से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सके।

उप मुख्यमंत्री शर्मा को सब्जी बाजार में देख वहां लोगों की भीड़ लग गई। इस दौरान कुछ लोगों ने मोबाइल से डिप्टी सीएम शर्मा की फोटो भी खींची। बतादें कि विजय शर्मा अपने सादगी भरे अंदाज के लिए जाने जाते हैं।

साधराम यादव हत्याकांड के आरोपित के घर पर चला बुलडोजर, घर पूरी तरह जमींदोज

कवर्धा। कवर्धा जिले में भी अपराधियों के ठिकानों पर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार तर्ज पर बुलडोजर कार्रवाई की जा रही है। कवर्धा जिले के ग्राम लालपुर कला में साधराम यादव की हत्या के आरोपित के घर पर प्रशासन ने बुलडोजर चलवा दिया है।

बतादें कि कवर्धा शहर के ग्राम लालपुर कला में 21 जनवरी को साधराम यादव (50) की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। इसके पहले कवर्धा भगवा झंडा विवाद के कारण भी साम्प्रदायिक हिंसा से चर्चित रहा है। अभी यह इलाका राज्य के गृहमंत्री विजय शर्मा का विधानसभा क्षेत्र है।

हत्याकांड के आरोपितों को फांसी की सजा देने की मांग

इससे पहले बुधवार को साधराम यादव के आरोपितों को फांसी की सजा देने व पीड़ित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग को लेकर यादव समाज व लालपुरकला के ग्रामीणों ने कवर्धा शहर में रैली निकाली। इस दौरान जमकर नारेबाजी की।

कवर्धा शहर में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात चरवाहा साधराम यादव (50) की हत्या कर दी गई। इस मामले में पुलिस ने पांच आरोपितों को पकड़ा था, जिसमे एक नाबालिग है। बुधवार को इस हत्याकांड मामले में पुलिस ने छठवें आरोपित शेख रफीक उर्फ रिंकू (40) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वहीं मामले की अभी भी जांच जारी है। आरोपित शेख रफीक कवर्धा शहर के नवाब मोहल्ला निवासी हैं।

उपमुख्यमंत्री सीएम विजय शर्मा ने दिया कार्रवाई का आश्वासन

बीते सोमवार को कवर्धा के दौरे पर पहुंचे विधायक व डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने पीड़ित स्वजनों से मुलाकात की। इस दौरान स्वजनों ने आरोपितों को फांसी की सजा देने की मांग की।इसके अलावा घर के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और आर्थिक मुआवजा देने की मांग की है।

इस पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने हरसंभव मदद करने का आश्वासन दिया है। विजय शर्मा ने मृतक की पत्नी को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता भी दी। विजय शर्मा ने यादव समाज और मृतक के स्वजनों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि इस प्रकरण में संलिप्त सभी आरोपितों को सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कामकाजी महिलाओं के बच्चों की देखभाल के लिए आंगनबाड़ी केन्द्र में प्रारंभ होंगे झूलाघर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के चुने हुए आंगनबाड़ी केन्द्रों में कामकाजी महिलाओं की सुविधा के लिए आंगनबाड़ी कम क्रेच (झूलाघर) की स्थापना की जाएगी। राज्य के आंगनबाड़ी केन्द्रों में 1500 झूलाघर की स्थापना करने का लक्ष्य दिया गया है। महिला बाल विकास विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी ने महिला बाल विकास की समीक्षा करते हुए कहा कि गांव में सर्वे कर बच्चों का चिन्हाकन कर लिया जाए। आंगनबाड़ी केन्द्रों में बनाए जाने वाले झूलाघरो में काम-काजी महिलाओं के 6 माह से 6 वर्ष के बच्चों की देखभाल की जाएगी।

महिला बाल विकास विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी ने आज इन्द्रावती भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में कहा कि सभी मैदानी स्तर के अधिकारी नियमित रूप से आंगनबाड़ी केन्द्रों का भ्रमण करें और इन केन्द्रों के माध्यम से दी जा रही सुविधाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि गंभीर कुपोषण वाले बच्चों का चिन्हांकन करके उनके पौष्टिक आहार पर विशेष ध्यान दें। पोषण ट्रैकर पोर्टल के माध्यम से ही इसकी निगरानी की जाए। मुख्यमंत्री बाल सन्दर्भ योजना का लाभ अधिक से अधिक बच्चों

लाभ दिलाया जाए। योजना के तहत गंभीर बीमारी दिल की बिमारी, मानसिक रूप से दिव्यांग, कटें-फटे होंठ वाले आदि अन्य बिमारियों से प्रभावित बच्चों का चिरायु टीम के माध्यम से उच्च स्तरीय ईलाज की व्यस्था कराए।

समीक्षा बैठक में श्रीमती आबिदी ने पीएम जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजातियों के बच्चों का डोर-टू-डोर सर्वे कर आंगनबाड़ी की सेवाओं से लाभान्वित किया जाए। सभी आंगनबाड़ी केंद्र में साफ-सफाई की जाए जहां रंग-रोगन की जरूरत है वहां रंग-रोगन का कार्य कराया जाए। पोषण वाटिका तैयार किए जाए। जहां पोषण वाटिका तैयार हैं वहां बच्चों को पौष्टिक सब्जी दी जाए। इसी प्रकार जिन आंगनबाड़ी केन्द्रों में विद्युती की सुविधा उपलब्ध नही है, उन केन्द्रों में विद्युतीकरण का कार्य कराया जाए। बैठक में महिला बाल विकास विभाग की संचालक श्रीमती तुलिका प्रजापति और महिला बाल विकास विभाग के सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री बाल संदर्भय योजना, चाईल्ड हेल्प लाइन, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, मुख्यमंत्री बाल उदय योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, मिशन शक्ति, महिला जागृति शिविर आदि अन्य योजनाओं समीक्षा की गई।

पर्यावरण के बेहतरी से ही जीवन में खुशहाली संभवः अग्रवाल

रायपुर। हम अपने भौतिक संसाधनों के लिए धीरे-धीरे प्रकृति का विनाश कर रहे हैं। ऐसे में अपने घरों और उसके आस-पास फल-फूल के पौधे लगा कर न केवल हम अपने पर्यावरण को स्वच्छ बना सकते हैं, बल्कि आर्थिक रूप से सशक्त भी बन सकते हैं। ये बातें शिक्षा, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल ने राजधानी रायपुर के गांधी उद्यान में चल रही 3 दिवसीय प्रदेश स्तरीय वृहद फल-फूल सब्जी प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता के समापन के अवसर पर कही। प्रदर्शनी का आयोजन प्रकृति की ओर सोसाइटी, उद्यानिकी विभाग, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, नगर निगम रायपुर और जिन्दल स्टील व पॉवर लिमिटेड के सहयोग से किया गया था।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल प्रदर्शनी में प्रदर्शित विभिन्न किस्म के फलों, फूलों और सब्जियों के साथ ही बागवानी से

संबंधित स्टॉल्स का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के किसानों ने कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। श्री अग्रवाल ने किसानों से नई वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर फसलों की उत्पादकता को बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के खाद्यान्न, फलों, फूलों और सब्जियों की मांग देशभर में बढ़ रही है, जिसको देखते हुए हमारी सरकार किसानों को कृषि और बागवानी के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने का हर संभव प्रयास कर रही है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि शहरों में बढ़ते प्रदूषण के कारण शुद्ध हवा तक मिलने में परेशानी होती है, ऐसे में हम अपने घर और आस-पास पेड़ पौधे लगाकर अपने आने वाली पीढ़ी के लिए स्वच्छ पर्यावरण और शुद्ध हवा की व्यवस्था कर सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक- गुलाब दास दीवान, द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. (छ.ग.) भवन, प्रेस काम्पलेक्स रजबंधा मैदान रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ग्राम-पोस्ट-पवनी, तहसील-बिलाईगढ़, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.), 493338 से प्रकाशित। RNI NO. CHHHIN/2022/83778 सम्पादक- गुलाब दास दीवान, मो. 9294743139